वर्ष-12 , अंक-25 प्रयागराज, रविवार 30 जून 2024 से शनिवार 06 जुलाई 2024 तक — पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

T M

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

Download From Google Play Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

नगर संस्करण 12 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियों का सर्वांगिन विकास होता है. केंद गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियों का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का सिकंदराबाद में रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

एडीजी जोन का आश्वासन नही होगा पत्रकारों का उत्पीड़न

पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का प्रतिनिधि मंडल मिला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर क्लब के संस्थापक/

संयोजक विरेन्द्र पाठक के नेतृत्व में एडीजी जोन प्रयागराज भानु भास्कर से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। इस पर पत्रकारों की सुरक्षा के साथ उनका उत्पीड़न न किए जाने का आश्वासन दिया। पत्रकारों द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप माफिया द्वारा अवैध कब्जा खाली कराया जा रहा है। किंतु माफिया के गुर्गे,कुछ पुलिस वालों की मिली भगत के जरिए पुनः जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं । अगर इसका समाचार चलता है , तो वह पत्रकारों के खिलाफ फर्जी शिकायतें करते हैं। ऐसी ही एक घटना विगत दिनों गौस नगर करेली 12 मार्किट में हुई । कब्जे का समाचार जब चैनल पर चला तो कतिपय पुलिस वालों से सांठ-गांठ कर दलालों ने पत्रकार के खिलाफ झूठी शिकायत की पत्रकारों ने उच्च अधिकारियों से मांग की कि बिना नाम वाली शिकायतों की जांच कराई जाए कि आखिर यह पुलिस और पत्रकारों को परेशान करने के लिए कौन शिकायत कर रहा है। साथ ही उन उन भ्रष्ट पुलिस वालों की भी जांच की जाए जिनका गठजोड़ अवैध कब्जा करने के साथ, बस अड्डा , खनन और पासर गैंग से है। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पत्रकारों ने एडीजी जोन को यह भी बताया कि एक साजिश के तहत दलाल और भ्रष्ट पुलिस वाले फर्जी शिकायतें कर रहे हैं ,और फिर मामला सुलझाने के नाम पर पैसा वसूल रहे हैं। इस काम में मीडिया की आड़ लेकर कुछ लोग भी शामिल है। सनद रहे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब की बैठक में इन साजिशों के खिलाफ पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों के साथ उत्तर प्रदेश सरकार तक यह बात पहुंचाने का निर्णय लिया गया। कि किस तरह से तथाकथित मीडिया की आड़ में दलाल और भ्रष्ट पुलिस वाले सरकार की छवि खराब कर रहे हैं। धड़ल्ले से माफियाओं से खाली कराई गई जमीन पुनः कब्जा किया जा रहा है। ज्ञापन और मांग करने वाले लोगों में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब के अध्यक्ष दिनेश तिवारी, पूर्व अध्यक्ष संदीप तिवारी,पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता,पवन उपाध्याय पवन पटेल राजेश मिश्रा,सैय्यद मोहम्मद आमिर, शैलेश कुमार यादव,आरव भरद्वाज, प्रवीण मिश्रा, मोहम्मद लईक,विकास मिश्रा,रंजीत निषाद,नीतीश सोनी, धीरज कुमार,आशीष भट्ट,आयुष श्रीवास्तव,पंकज शुक्ला, सलाउद्दीन उमर, शायमु कुशवाहा, अभिनव केशरवानी, कुलदीप शुक्ला, टी के पांडेय,शिशिर गुप्ता, शकील खान,आदि लोग मौजूद थे।

नए यमुना पुल से युवती ने लगाई छलांग, पीएसी के जवानों ने बचाई जान, अस्पताल में कराया भर्ती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। नैनी के नए पुल से एक युवती ने यमुना में छलांग लगा दी। शनिवार को दोपहर में पुल पर पहुंची युवती कुछ देर तक इधर उधर टहलने के बाद पुल से नीचे कूद गई। सड़क से गुजर रहे लोगों ने शोर गुल मचाना शुरू कर दिया। नैनी के नए पुल से एक युवती ने यमुना में छलांग लगा दी। शनिवार को दोपहर में पुल पर पहुंची युवती कुछ देर तक इधर उधर टहलने के बाद पुल से नीचे कूद गई। सड़क से गुजर रहे लोगों ने शोर गुल मचाना शुरू कर दिया। यमुना के किनारे तैनात बाढ़ राहत दल के पीएसी के जवानों ने पानी में कूदकर युवती को सकुशल बाहर निकाला। बेहोशी की हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवती का नाम रूबी निषाद बताया जा रहा है। उसने किस कारण से आत्मघाती कदम उठाया। इसका पता नहीं चल सका है। युवती नैनी के महेवा इलाके की बताई जा रही है।

प्रयागराज के नए पुलिस कमिश्नर ने की बड़ी कार्रवाई, अभद्रता की शिकायत पर दरोगा निलंबित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। नए पुलिस कमिशन्र तरुण गाबा ने फूलपुर में बजरंग दल के कार्यकर्ता से अभद्रता करने की शिकायत मिलने पर एसीपी की रिपोर्ट पर आरोपी दरोगा संजय सिंह को निलंबित कर दिया है। इससे पूर्व उसे लाइन हाजिर किया गया था सरायममरेज थाना अन्तर्गत मोहिउद्दीनपुर निवासी दीपक सिंह बजरंग दल का पदाधिकारी है। उसका गांव के ही राजा यादव से भूमि विवाद चल रहा है। रविवार शाम राजा की कुछ लोगों ने पिटाई कर दी। कुछ देर बाद ही राजा के पक्ष के लोगों ने दीपक सिंह की पिटाई कर दी। आरोप है कि मौके पर पहुंचे पीआरवी के दरोगा ने दीपक से अभद्रता की। दीपक के भाई देवेंद्र सिंह की तहरीर पर राजा यादव, सतीश यादव व अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। जब इसकी जानकारी विहिप व बजरंग दल कार्यकर्ताओं को हुई तो सोमवार सुबह कोतवाली का घेराव कर दिया। उनका आरोप था कि पीआरवी के दरोगा संजय सिंह ने बजरंग दल कार्यकर्ता दीपक से अभद्रता की थी। सुनवाई न होने पर आक्रोशित कार्यकर्ताओ ने प्रयागराज गोरखपुर राजमार्ग पर जाम लगा दिया था। उस वक्त डीसीपी ने संजय सिंह को लाइन हाजिर कर दिया था। डीसीपी गंगानगर अभिषेक भारती ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर दरोगा को निलंबित किया गया है।

मरीज की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल के बाहर किया हंगामा, चक्का जाम, मौके पर पहुंची फोर्स

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज।घूरपुर थाना क्षेत्र के करमा पुलिस चौकी अंतर्गत बरौली (चोरहिया) गांव के रहने वाले विनोद कुमार पटेल (32 वर्ष) पुत्र राम कैलाश की ऑपरेशन के बाद मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने शव सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया। काफी देर तक हंगामा चलता रहा। अस्पताल संचालक के खिलाफ मुकदमा एवं मुआवजा को लेकर लोग अड़े रहे। घूरपुर थानाध्यक्ष केशव वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाया बुझाया, लेकिन वह नहीं माने। शुक्रवार की रात विनोद को करमा स्थित प्रिंस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां पर हालत बिगड़ने पर उसे शहर लिए रेफर कर दिया गया है। रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। शनिवार सुबह परिजन शव अस्पताल लेकर पहुंच गए और हंगामा कर दिया। गौहानिया करछना हाईवे पर शव रख कर चक्का जाम कर दिया। हंगामा देख पुलिस के हाथ पैर फूल गए। घूरपुर थाना तक केशव वर्मा कर्म पुलिस चौकी प्रभारी प्रीत कुमार पांडेय मयफोर्स पहुंचकर परिजनों को समझने लगे, लेकिन वह नहीं माने। पुलिस हालांकि उनकी हर संभव मदद को तैयार थी, लेकिन देर तक हंगामा होता रहा। परिजनों का आरोप है की लापरवाही के चलते विरोध की मौत हुई है। परिजन अस्पताल संचालक के विरुद्ध मुकदमा मुआवजा पर अड़े रहे।गांव निवासी विनोद कुमार पटेल (33) पुत्र राम कैलाश शुक्रवार को पेट दर्द की शिकायत पर गौहनिया में स्थित अल्ट्रासाउंड सेंटर से जांच कराने पर पथरी की जानकारी मिली। उसी दिन करमा के प्रिंस अस्पताल में ऑपरेशन के लिए भर्ती कराया गया। ऑपरेशन होने के बाद आधी रात उसकी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल कर्मियों ने उसे शहर के लिए रेफर कर दिया, जहां रास्ते में उसकी मौत हो गई। शनिवार की सुबह परिवार व ग्रामीणों ने शव को अस्पताल के सामने रख दिया है। अस्पताल संचालक व डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। वह घर पर ही रहता था। चक्का जाम के चलते सड़क पर आवागमन ठप हो गया है। कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई है। परिजन चिकित्सकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और मुआवजे की मांग को लेकर अड़े हैं। मरीज और परिजन अस्पताल के गेट के बाहर शव लेकर बैठ गए हैं। पुलिस समझाने का प्रयास कर रही है। परिजन किसी भी दशा में मानने के लिए तैयार नहीं है। अस्पताल के चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मरीज और परिजन अस्पताल के गेट के बाहर शव लेकर बैठ गए हैं। पुलिस समझाने का प्रयास कर रही है। परिजन किसी भी दशा में मानने के लिए तैयार नहीं है। अस्पताल के चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

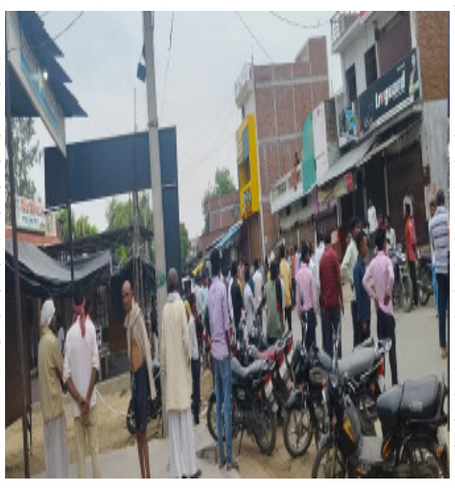

डॉक्टर के बेटे ने चार लाख में की थी डील, एक लाख दिए थे एडवांस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। राज पांडेय नैनी के एडीए कॉलोनी में अक्षयवट हॉस्पिटल के संचालक डॉ. आरपी पांडेय का बेटा है। उसने नीट के लिए आवेदन किया था और पांच मई को बिहार के जनपद मुजफ्फरपुर में मिठनपुरा थाना क्षेत्र स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल मालीघाट में उसकी जगह परीक्षा देते सॉल्वर पकड़ा गया था। नीट में अपनी जगह पर सॉल्वर बैठाने के मामले में नैनी स्थित अक्षयवट हॉस्पिटल के संचालक के बेटे ने चार लाख रुपये में डील की थी। उसने परीक्षा पास कराने के लिए सॉल्वर को चार लाख रुपये देने का वादा किया था। एक लाख रुपये एडवांस भी दिए थे। हालांकि परीक्षा के दौरान ही फर्जीवाड़ा पकड़ लिया गया। फिलहाल सॉल्वर के साथ ही डॉक्टर के बेटे की तलाश में भी बिहार पुलिस जुटी हुई है। राज पांडेय नैनी के एडीए कॉलोनी में अक्षयवट हॉस्पिटल के संचालक डॉ.

आरपी पांडेय का बेटा है। उसने नीट के लिए आवेदन किया था और पांच मई को बिहार के जनपद मुजफ्फरपुर में मिठनपुरा थाना क्षेत्र स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल मालीघाट में उसकी जगह परीक्षा देते सॉल्वर पकड़ा गया था।यह सॉल्वर जोधपुर एम्स में एमबीबीएस 2021 बैच तृतीय वर्ष का छात्र हुकमा राम निवासी राजस्थान था। सूत्रों का कहना है कि उसने पूछताछ में केंद्र प्रबंधन के सामने यह खुलासा किया था कि राज ने उसे परीक्षा पास कराने के लिए चार लाख रुपये देने की डील की थी। इसमें से एक लाख रुपये एडवांस भी दिए थे। उसने यह भी लिखित बयान दिया था कि राज पटना का निवासी है और वह उससे कोटा में मिला था। डॉक्टर परिवार के एक करीबी का दावा है कि उनके बेटे राज ने कुछ समय तक कोटा में रहकर नीट की तैयारी की है। उसका पटना भी आना जाना लगा रहता था। संभव है कि उसने उसे अपना तत्कालीन पता पटना ही बताया हो। फिलहाल बिहार पुलिस दोनों की तलाश में लगी हुई है। उधर डॉक्टर भी लापता हैं। उनका नंबर शुक्रवार को भी बंद रहा। इस संबंध में जब हॉस्पिटल मैनेजर केके शुक्ला से बात की गई तो उन्होंने कहा कि वह बाहर हैं और बाद में बात करेंगे।

भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष पर जानलेवा हमला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष रोहित मिश्र पर बीतीरात जानलेवा हमला किया गया। धारदार हथियारों से लैस दो युवक सफारी गाड़ी से पहुंचे और उनकी पिटाई शुरू कर दी। भागने पर उनको दौड़ाकर पीटा गया। अपहरण का भी प्रयास किया गया। इस मामले में अज्ञात हमलावरों के खिलाफ कर्नलगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मम्फोर्डगंज में भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष व इविवि छात्रसंघ में पूर्व अध्यक्ष रोहित मिश्रा पर बृहस्पतिवार देर रात जानलेवा हमला किया गया। सफारी सवार दो लोगों ने धारदार हथियार से हमला किया। इससे उनका सिर फट गया। हमलावर इसके बाद भी उन पर ताबड़तोड़ वार करते रहे। पुलिस ने सफारी के नंबर के आधार पर दो अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की है। रोहित कुमार मिश्र पुत्र देवेंद्र नाथ मिश्रा मूलरूप से सेनानी नगर, करनपुर, प्रतापगढ़ के हैं। वर्तमान में वह मम्फोर्डगंज स्थित विनायक विहार अपार्टमेंट, बलरामपुर हाउस में रहते हैं। वह 2016 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष निर्वाचित हुए। 2021 में उन्हें भाजयुमो का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब 1:15 बजे खाना खाने के बाद वह टहलने निकले थे।इसी दौरान तेज रफ्तार में आई सफेद रंग की सफारी से उन्हें कुचलने का प्रयास किया गया। किसी तरह बगल भागकर उन्होंने जान बचाई। इसके बाद सफारी चालक एक अन्य व्यक्ति के साथ उतरा और उन पर धारदार हथियार से हमला बोल दिया। अचानक हुए वार में उनका सिर फट गया और वह जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद भी जान से मारने की नीयत से उनके हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ वार किए गए। हमले में वह बेहोश हो गए। होश आने पर चेन व पर्स, जिसमें 2200 रुपये थे, गायब मिले।

मिर्ज़ापुर

मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को सौपा पत्रक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को पत्रक देते हुए बताया कि सेतु निगम ने अपने निरीक्षण रिपोर्ट में दर्शाया है की क्षतिग्रस्त फुटपाथ को बैरिकेडिंग कराकर वाहनों का आवागमन चालू रखा जा सकता है मगर इसके बावजूद अभी तक पुल को माल वाहक वाहनों के आवागमन के लिए चालू नहीं किया गया है जिससे ट्रक मालिकों व्यापारियों में काफी आक्रोश व्याप्त है और उनके रोजी-रोटी व बैंक के किस्त जमा करने की समस्या काफी उत्पन्न हो गई है

दिए गए पत्रक में उन्होंने अनुरोध किया है कि सेतु निगम के निरीक्षण रिपोर्ट को देखते हुए शास्त्री सेतु पर पूर्व की भांति माल वाहक वाहनों के आवागमन की अनुमति प्रदान करें और अगर ऐसा नहीं होता है तो मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन इसका विरोध प्रदर्शन करेगा।

सोनभद्र

कोटेदार संघ ने अपनी मांगों को लेकर की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रावटसगंज नगर स्थित डंडइत बाबा परिसर में सोमवार को ऑल इंडिया फेयर प्राईज सॉप डीलर संगठन की अपनी मांगों को लेकर बैठक आयोजित की गई बनाई गई रणनीति । वही संगठन जिला अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि संगठन की विभिनन मांगे जब तक पूर्ण नहीं की जाएगी तब तक संघर्ष जारी रहेगा वहीं अन्य पदाधिकारी के साथ मांगों को लेकर विभिनन कार्यक्रम के संबंध में रणनीति बनाई गई है मांगो में जैसे ई-केवाइसी जनपद के राशन विक्रेताओं द्वारा करना सम्भव नहीं है, इसके लिए योग्य कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता होती है, जिसका भुगतान कोटेदार को देना सम्भव नहीं है। इसलिए आपरेटर का भुगतान उचित मजदूरी शासन द्वारा दिया जाय। 2 विगत कई माहो से सर्वर की समस्याओं निरन्तर हो रही है जिसका निराकरण नहीं हो पा रहा है। मशीनो में जो सिम लगे है काम नहीं करते है। सिम को रिचार्ज कराया जाय। 3. विगत दो महीने से जिले में राशन दुकानदारों के यहां खादयान जो जा रहा है वह गुणवत्ता पूर्ण नहीं है। 4. राशन विक्रेताओं का लाभांश समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है। 5. महोदय प्रदेश संगठन द्वारा खादय आयुक्त लखनऊ एवं हाईकोर्ट इलाहाबाद में रिट याचिका सं0-20530/2024 दायर की गयी है. जिसकी जल्द ही सुनवाई जब तक नहीं होती है तब तक हम सभी राशन विक्रेता ई-केवाईसी के कार्य से विरत रहेंगे। इस मौके पर मंजू देवी अशोक कुमार रमाशंकर विनोद कुमार सुरेंद्र कुमार गोपी नाथ राम दास सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वीरांगना महारानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर हुई गोष्ठी

सोनभद्र। अखिल भारतवर्षीय गोंड़ महासभा के कार्यकर्ताओं द्वारा सोमवार को वीरांगना महारानी दुर्गावती के 460 में बलिदान दिवस पर गौरव महासम्मेलन वीरांगना धाम दुरावल कला में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि रामनिवास गौड़ संजय यादव पूर्व ब्लाक प्रमुख द्वारा प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान अतिथि द्वारा संबोधित करते हुए बताया गया कि रानी दुर्गावती का जन्म 5 अक्तूबर 1524 को आज के बुलंदेलखंड के बांदा जिले में हुआ था। दुर्गा अष्टमी के दिन जन्म होने के नाते नाम रखा गया दुर्गावती। उन्होंने बचपन से ही घुड़सवारी, तीरंदाजी और तलवारबाजी जैसी युद्ध कलाओं को सीखना शुरू कर दिया था। आगे चलकर उन्होंने गोंडवाना पर लगभग 16 साल शासन किया। वही सपा जिला उपाध्यक्ष डॉ लोकपति सिंह ने बताया कि कालिंजर के राजा कीरत सिंह की सुपुत्री और गोंड राजा दलपत शाह की पतनै रानी दुर्गावती की वीरता से भला कौन परिचित नहीं होगा। देश की महान वीरांगना रानी दुर्गावती ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने हाथों से अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे. मुगल शासक अकबर के सामने झुकने के बजाय उन्होंने खुद ही अपना खंजर अपने सीने में उतार लिया था. वह तारीख थी 24 जून 1565. उनकी शहादत को अब बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी अवसर पर आइए जान लेते है रानी दुर्गावती की वीरता की कहानी। इस मौके पर श्याम बिहारी यादव, रवि कुमार गॉड, रंजनी सिंह ,त्रिवेणी खरवार, वासुदेव , दरोगा सिंह मौर्य, आशीष खंबे ,राजेंद्र प्रसाद ,राजेश कुमार गोंड, रमाकांत, रंजनी सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे पूरे कार्यक्रम का संचालन कर रहे राजेश कुमार गुण द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

100 Years of Glorious service in Dairy education

ADMISSIONS OPEN FOR SESSION 2024-25

WARNER COLLEGE OF DAIRY TECHNOLOGY

Sam Higginbottom University of Agriculture, Technology and Sciences (SHUATS), Prayagraj (Allahabad), U.P.- 211007 (India)

OBJECTIVES

- To create Dairy and Food Technologist to address technical and management problems of Dairy and Food industry.
- To develop technical abilities and interpersonal skills.
- To develop entrepreneurship knowledge and skills in establishing and managing Dairy and Food industries.

DEPARTMENTS

- Dairy Technology
- Dairy Engineering
- Dairy Chemistry
- Dairy Microbiology
- Dairy Trade & Business Management

	PROGRAMMES	DURATION
Diploma	IDD (Dairy Technology)	2 Years
	Dairy Food Safety and Quality	1 Year
	Dairy Food Analysis and Quality Management	
UG	B. Tech. Dairy Technology	4 Years
	B.Sc. (Hons.) Food Technology	
PG	M.Tech./ M.Sc (Dairy Technology)	2 Years
	M.Tech. (Dairy Engg)	
	M.Tech./ M.Sc (Dairy Chemistry)	
	M.Tech./ M.Sc (Dairy Microbiology)	
	M.Sc. (Food Science and Technology)	
	M.Sc. (Dairy Economics/Dairy Extension)	
	M.B.A. (Dairy Business Management)	

Elite Features

- State-of-the-art classrooms with LCD projectors.
- Around 500 books in college library.
- Industrial Training and Experiential Learning Module.
- High Tech Research Labs.
- Student Dairy plant for hands on training
- Wi-Fi facility available in college premises.
- Separate hostel facility for boys and girls.

STUDENTS PLACEMENT

National Dairy and Food Plant
- Amul Dairy
- Mother Dairy
- Lactalis
- Nestle S.A.
- Hatsun Agro Product
- Perfetti van Melle
- Heritage Foods Limited
- Gyan Dairy
- Namaste India
- Parag Dairy
- Paras Dairy
- Sudha Dairy

International Dairy and Food Plant
- International Foodstuffs Co. (IFFCO), Dubai
- Al-Ain (Dubai)
- Al-Rawabi (Dubai)
- National Food Plant, UAE

Government and Public Sector
- Dairy Development Officer
- FSSAI, AGMARK, BIS, BIS
- Banking sector

Some Distinguished Alumni
- Harshev Singh, CEO, Reliance Dairy Foods Ltd.
- S.P. Verma, Vice President, Bhole Baba Milk Food Industries, Rajasthan
- M.K. Shukla, DDO, Govt of U.P.
- G.P. Tiwari, GM, CP Milk Foods Ltd, Lucknow
- M.N. Dwivedi, MD, Sudha Dairy, Samastipur
- S.M. Ghouse, Former Head, Plant operations, Al-Rawabi Dairy, UAE
- Shailendra Kumar, Dy. Manager (HR), Mother Dairy, Delhi
- T.V. Rao, Former Dairy Advisor, USA

Contact
Dr. Sandeep G.M. Prasad
Offg. Dean, Warner College of Dairy Technology, SHUATS, Prayagraj, UP- 211007 (India)
Email: sdean_dairy@shiats.edu.in, Mob No: +919415630377

देश/विदेश

मेरा देश भारत

संक्षिप्त समाचार

काशी के 50 क्लब जुलाई में लेंगे सेवा और समर्पण की शपथ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। समर्पण और साहचर्य की भावना से काशी के 50 क्लब नए सत्र का आगाज करेंगे। सभी रोटरी व लायंस क्लब पूरे साल अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करेंगे। इंटरनेशनल स्तर पर रोटरी क्लब

और लायंस क्लब सेवा के क्षेत्र में अग्रणी हैं। उनका नया सत्र जुलाई से शुरू हो रहा है। वे समर्पण, सेवा व साहचर्य की भावना आमजन की सेवा करेंगे। हर क्लबों ने अपने लक्ष्य तय किए हैं। चुने गए नए पदाधिकारी अगले माह पदभार ग्रहण करने के साथ ही वर्षभर शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी मूलभूत सेवाएं लोगों को देंगे। जिले में दो हजार से अधिक क्लबों के सदस्य हैं रोटरी इंटरनेशनल और लायंस इंटरनेशनल के जिले में 50 से अधिक क्लब हैं, जो सेवा कार्य में सतत लगे रहते हैं। वे गरीबों और जरूरतमंदों के लिए सहारा बन जाते हैं। उनका नया सत्र एक जुलाई से अगले वर्ष 30 जून तक चलता है। एक जुलाई से क्लबों के चुने गए नए पदाधिकारियों को शपथ दिलाई जाएगी। रोटरी इंटरनेशनल (डिस्ट्रीक-3120) के चयनित मंडलाध्यक्ष परितोष बजाज ने बताया कि मंडल के 30 जिलों में सौ क्लब है। इसमें बनारस में 22 क्लब है। छह इनरव्हील क्लब महिलाओं के लिए हैं। सभी क्लबों के पदाधिकारियों को शपथ दिलाने के साथ ही उनको सेवा कार्य लक्ष्य से अवगत कराया जाएगा। साथ ही वह अपने आगामी कार्ययोजनाओं को रखेंगे। लायंस इंटरनेशनल (डिस्ट्रीक-321 ई) के चयनित मंडलाध्यक्ष बलबीर सिंह बग्गा ने बताया कि मंडल के 27 जिलों में कुल 110 से अधिक क्लब हैं। बनारस में 24 क्लब हैं। क्लब के सदस्य प्राथमिक स्कूलों से लेकर मलिन बस्तियों तक सेवा कार्य करते हैं। उनको नए सत्र के लक्ष्य दिए जाएंगे। रोटरी क्लब कुंभ मेला में लोगों के आंखों के ऑपरेशन, वैक्सीनेशन के अलावा वाटर कूलर और एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराता है। जबकि लायंस क्लब स्वास्थ्य सेवाओं के साथ गरीबों को डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराता है। गरीब लड़कियों की शादी, प्राथमिक विद्यालयों को गोद लेने जैसे कई सेवा कार्य किए जाते हैं।

दीवार गिरने से चार की मौत छः घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। सूरज पुर थाना अन्तर्गत खोदना गांव में दीवार गिरने से छः बच्चे घायल और चार की मृत्यु हों गई। उक्त घटना में आयशा पुत्री सगीर उम्र 16 वर्ष, आहद पुत्र मोइनुद्दीन उम्र 4 वर्ष ,हुसैन पुत्र इकराम उम्र 5 वर्ष ,आदिल पुत्र शेरखान उम्र 8 वर्ष, अलफ़िजा पुत्री मोइनुद्दीन उम्र 2 वर्ष ,सोहना पुत्री रहीस उम्र 12 वर्ष ,वासील पुत्र शेर खान उम्र 11वर्ष ,समीर पुत्र सगीर उम्र 15 वर्ष, सगीर के मकान की दिवार आदि गिरने से उनके ही परिवार/ रिश्तेदार 8 बच्चे घायल हुए जिसमें आहद, आदिल व अलफिदा की उपचार के दौरान दुखद मृत्यु हो गई। अन्य आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

अधेड़ की मौत पर मचा बवाल, ग्रामीणों ने घेरा थाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। अधेड़ की मौत के बाद आजमगढ़ के बरदह थाना क्षेत्र में ग्रामीणों ने पत्नी बौर बेटी पर हत्या

का आरोप लगा दिया। इस पर पहुंची पुलिस सभी को समझाकर लौट गई। उसके बाद ग्रामीणों ने थाने का घेराव कर दिया। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आजमगढ़ के बरदह थाना क्षेत्र के ग्राम सोहौली जगदीशपुर निवासी शंभू राम (55) एक महीना पहले अपने घर सोहौली दिल्ली से आया था। दिल्ली में रहकर वाहन चलाने का काम करता था। शुक्रवार की रात शंभू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने जहां सीढ़ी से गिरकर मौत होने की बात कही वहीं पड़ोसियों ने पत्नी और बेटे द्वारा उसकी हत्या किए जाने की बात कही जा रही है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लोगों का कहना है कि शुक्रवार की रात लगभग नौ बजे शंभू के घर काफी शोर शराबा हल्ला हो रहा था और किसी के चिल्लाने की आवाज़ आ रही थी। अंदर से शटर का ताला बंद था, हम लोग काफी प्रयास किए लेकिन कोई अंदर जा नहीं पाया और किसी के मारने की आवाज़ सुनाई दे रही थी।

सपा नोएडा महानगर ने वीरांगना महारानी दुर्गावती गढ़ मंडला की रानी का बलिदान दिवस मनाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा सपा नोएडा महानगर द्वारा महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय

गुप्ता के नेतृत्व में महानगर कैंप कार्यालय सेक्टर 53 कंचनजंगा मार्केट पर भारतीय इतिहास की प्रसिद्ध गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती गढ़ मंडला की रानी जी का बलिदान दिवस पुष्पांजलि अर्पित कर मनाया गया। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि अकबर की सेना ने रानी दुर्गावती पर तीन बार आक्रमण किया लेकिन रानी ने तीनों बार उन्हें पराजित कर दिया। एक महिला शासक से कितनी बार हारने के बाद असफ खान गुस्से से भर गया और 1564 में उसने एक बार फिर रानी के राज पर आक्रमण कर दिया युद्ध के दौरान रानी की आंख पर एक तीर लग गया, कुछ सैनिकों ने उन्हें युद्ध भूमि छोड़ने की सलाह दी लेकिन रानी ने बहादुरी से इनकार कर दिया, इस तरह 24 जून 1564 को वह वीरगति को प्राप्त हुई। महासचिव विकास यादव ने कहा कि यह ऐतिहासिक युद्ध जबलपुर के पास मदन महल किले में हुआ था जहां रानी की शहादत हुई थी और आज वहां रानी दुर्गावती की समाधि स्थित है। कार्यक्रम में उपस्थित मुल्क लोगों में वीरपाल अवाना, तस्लीम, पिंटू यादव, अनिल पंडित ,बबली शर्मा, भानु प्रताप,राम सहेली, मोहम्मद शाहिद, राणा मुखर्जी ,मनोज प्रजापति, सौरभ चौहान, लोकेश यादव , रोहित यादव,अभय यादव, अशोक गुप्ता, सोनू, हरेंद्र, पवन, सिकंदर मुख्य रूप से मौजूद रहे।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की जिला कौंसिल की बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोमवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला कौंसिल की बैठक पटवध स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पर संपनन हुआ । बैठक में बीते दिनों

संपनन हुए आम चुनाव में लोकसभा और विधानसभा उप चुनाव में पार्टी के पक्ष में प्राप्त वोटों व जनसमर्थन की समीक्षा करते हुए आने वाले दिनों में पार्टी की मजबूती के लिए सदस्यता अभियान चलाने और जन समस्याओं को लेकर आंदोलन चलाने के लिए चर्चा किया गया। बैठक में भाकपा नेताओं ने जनपद में असंगठित मजदूरों के रोटी व रोजगार पर भी चिंता व्यक्त किया और कहा कि जनपद में असंगठित मजदूरों के रोजगार को इस भाजपा सरकार में मशीनों द्वारा छिना जा रहा है और यह सब शासन, प्रशासन की मिलीभगत से हो रहा है। खनन में लगातार बेखौफ जेसीबी,पोकलेन का खुलेआम उपयोग किया जा रहा है। जनपद का मूल वाशिदां और आदिवासी मजदूर रोटी रोज़ी के लिए अन्य शहरों की ओर लगातार पलायन कर रहा है, जिससे यहां वोटिंग प्रतिशत में लगातार गिरावट आ रही है।भाजपा की सरकार में जनपद के आदिवासियों, वनवासियों और भूमिहीनों को वनाधिकार जैसे मौलिक अधिकारों का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है बल्कि जनपद में वनविभाग के द्वारा यहां के गरीबों,भूमिहीनों और आदिवासियों का लगातार शोषण उत्पीड़न भी किया जा रहा है यहां सरकार के प्रतिनिधि चूप्पी साधें बैठे हैं। जनपद में लोगों को पीने के लिए पानी, किसानों के खेती के लिए सिंचाई के साधन, बिजली की आपूर्ति और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं का बड़ा संकट है। पूरा जनपद मौलिक सुविधाओं के लिए जूझ रहा है। पार्टी नेताओं ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार जहां रोजगार समाप्त कर रही है वहीं दूसरी ओर परीक्षा व भर्ती के नाम पर छात्रों और नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने कहा कि यदि आने वाले दिनों में भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल नहीं किया गया तो वह रोजगार ही नहीं बल्कि संपूर्ण आरक्षण प्रणाली का भी सफाया कर देगी । ऐसे में हम कम्युनिस्ट पार्टी के लोगों को आम जनता को गोलबंद करते हुए लोगों के लिए रोजगार की रक्षा और आरक्षण की सुरक्षा करने के लिए भाजपा को सत्ता से बेदखल करना ही होगा। जिसके लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जनपद के किसानों, मजदूरों, नौजवानों और आदिवासियों को लामबंद करते हुए कस्बों व गांवों में जन चौपाल और सितंबर माह से जन समस्याओं को लेकर ब्लाक कार्यालयों पर वृहद आंदोलन चलाएगी। बैठक में पार्टी के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा, सह सचिव कामरेड देव कुमार विश्वकर्मा, कामरेड दिनेश कुमार गोंड , कामरेड पप्पू भारती, कामरेड चौधरी कोल, कामरेड बसावन गुप्ता, कामरेड धनूक राम पनिका, कामरेड कमला प्रसाद, कामरेड बूधवंत व कामरेड बाबू लाल चेरो आदि कामरेड प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के वरिष्ठ लीडर व पूर्व प्रधान कामरेड चंदन प्रसाद पासवान ने और संचालन कामरेड अमरनाथ सूर्य ने किया।

बिजली दिए जाने की मांग पर लोगो ने डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन- गंगेश्वर दत्त शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा हिंडन नदी पुस्ता के इर्द-गिर्द बसी कालोनी कुलेसरा, सुत्याना, हल्द्वानी, जलपुरा, लखनावली आदि कॉलोनी के निवासियों

ने विद्युत कनेक्शन दिए जाने की मांग को लेकर आज जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर जोरदार प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया। प्रदर्शनकारियों को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए ग्रामीण विकास समिति के संयोजक व मजदूर नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि बिजली के अभाव में गरीब लोगों का जीवन बुरी तरह से प्रभावित है और आज के इस युग में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नोएडा व ग्रेटर नोएडा जैसे नामी ग्रामी शहर में बिना बिजली के रहना किसी अभिशाप से कम नहीं है। उक्त कालोनियों में आधी-आधूरी बिजली की व्यवस्था है। या कहीं पर बिल्कुल भी बिजली नहीं है, जिसके चलते आम नागरिकों को तो भारी परेशानी है साथ ही बिजली विभाग को भी भारी राजस्व का प्रतिदिन नुकसान हो रहा है क्योंकि ऐसी स्थिति बिजली चोरी को बढावा देती है। जबकि केन्द्र व प्रदेश सरकार हर घर को बिजली देने की बात करती आ रही है। उन्होंने कहा कि नोएडा शहर में झुग्गी बस्ती एवं डूब क्षेत्र में कालोनिया इस लिए बसी क्योंकि यहां गरीब मेहनतकश लोगों की आय के मद्देनगर सरकार/ प्राधिकरण ने कोई आवासीय नीति बनाकर मकान नहीं दिये न्यूनतम वेतन पाने वाले या छोटा-मोटा स्वरोजगार करने वाले लोगों ने किसानों से जमीन खरीदकर सरकार को राजस्व देकर रजिस्ट्री कराकर मकान बनाये जिनमें आज लाखों की आबादी निवास करती है जिसे हटाकर किसी अन्य जगह विस्थापित करने की स्थिति में आज सरकार नहीं है। इसलिए इन कॉलोनियों में मूलभूत नागरिक सुविधा उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार, जिला प्रशासन, बिजली विभाग, प्राधिकरण की प्राथमिक जिम्मेदारी बनती है। पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों की वार्ता जिलाधिकारी व बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ कराई जिसमें उन्होंने आश्वासन दिया कि शीघ्र बिजली दिए जाने की कार्रवाई शुरू की जाएगी और उसके लिए तुरंत सर्वे का काम शुरू कर दिया जाएगा। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे श्री बालाजी समिति के पदाधिकारी सिद्धार्थ पांडे, विवेक पाल, राजकुमार सिंह, दिलीप चौहान, खालिद हुसैन, रूपेश राय, उत्तम तिवारी, वंदना शुक्ला, माला झा, मंजू देवी आदि ने कहा कि अगर हमारी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो हम फिर और बड़ा आंदोलन करेंगे। प्रदर्शनकारियों की मांग का समर्थन करते हुए राष्ट्रीय शहरी ग्रामीण समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी वशिष्ठ मिश्रा, राजेश दुबे, रामजी यादव, महिपाल सिंह, धर्मवीर सोलंकी, हरिलाल पाल गोपी, भागीरथ, लायक हुसैन, हरगोविंद सिंह, विवेक मिश्रा आदि ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी उपस्थित रही।

तीन जोन में बंटेगा धाम, बनाए जाएंगे दो और प्रवेश द्वार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। सावन में आने वाली भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन की ओर से धाम में प्रवेश के लिए दो और द्वार बनाए जाएंगे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए तीन जोन में धाम को बांटा जाएगा। सावन में श्रद्धालुओं को बाबा के झांकी दर्शन होंगे। गर्भगृह के द्वार पर लगाए गए पात्र से ही दूध-जल से अभिषेक होगा। सावन के महीने में बाबा विश्वनाथ का दरबार शिवभक्तों से बम-बम रहेगा। मंदिर प्रशासन ने भीड़ के बेहतर प्रबंधन के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए तीन श्रेणियों में धाम को विभाजित किया जाएगा। इसके साथ ही धाम में प्रवेश के लिए दो और गेट तैयार होंगे। वहीं, सावन में मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए इस बार खास इंतजाम होंगे। सावन महीने की शुरुआत प्रीति योग और श्रावण नक्षत्र में 22 जुलाई से हो रही है। द्वादश ज्योतिर्लिंग में प्रमुख श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में जलाभिषेक के लिए देश ही नहीं दुनिया भर से श्रद्धालु काशी आएंगे। पिछले साल सावन दो महीने का होने कारण 1.63 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करके नया रिकॉर्ड बनाया था।

स्लोवाकिया में ट्रेन और बस के बीच टक्कर, 6 लोगों की मौत और 5 घायल; राष्ट्रपति बोले- पीडितों के लिए दुखी हूं

स्लोवाकिया। यूरोप के स्लोवाकिया से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बताया जा रहा है, स्लोवाकिया में एक ट्रेन और बस के बीच भीषण टक्कर हो गई, इस हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है और पांच अन्य घायल

है। इस हादसे के दौरान यूरोसिटी ट्रेन में 100 से अधिक लोग सवार थे। पुलिस और स्लोवाक रेलवे कंपनी एएख् ने इस बात की जानकारी दी है। पुलिस और स्लोवाक रेलवे कंपनी एएख् ने इस बात की जानकारी दी है। ने कहा कि घटना में 6 लोगों की मौत हुई है और पांच अन्य घायल हुए है। साथ हीं एएख् ने इस दुर्घटना में घायल और मृतकों के परिवार और परिजनों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की है। एएख् ने आगे बताया है, 'ट्रेन चेक राजधानी प्राग से हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट जा रही थी। तब ट्रेन दक्षिणी स्लोवाकिया में एक बस से टकरा गई इसके फंसे हुए 100 से अधिक यात्रियों को बसों की तरफ से हंगरी की सीमा पर स्टुरोवो शहर ले जाया जा रहा है। हमारे कर्मचारियों की सहायता से सभी यात्रियों को घटनास्थल से निकाल लिया गया। हमारे दिल और संवेदनाएं उनके परिवारों और प्रियजनों के साथ है।' स्लोवाक आपातकालीन चिकित्सा सेवा ने भी इस घटना को लेकर जानकारी दी है, आपातकालीन चिकित्सा सेवा का कहना है कि दक्षिणी स्लोवाकिया के नोवे जमकी में दुर्घटना स्थल पर आपातकालीन प्रतिक्रिया जारी है। पांच एम्बुलेंस गाड़ी और तीन एम्बुलेंस हेलीकॉप्टर घटनास्थल पर हैं। स्लोवाक राजनेताओं ने भी इस घटना पर दुख जताया है।स्लोवाक स्वास्थ्य मंत्री जुजाना डोलिनकोवा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'गहरे दुख के साथ, मुझे नोवे जमकी में देर दोपहर हुई एक दुखद दुर्घटना की जानकारी मिली।' स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, 'सभी प्रकार की आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर है और मैं पीडितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।' साथ ही स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी, जो यूरोपीय संघ के नेताओं के साथ एक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्रूसेल्स में थे ने भी सोशल मीडिया पर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'मुझे सभी पीडितों के लिए बहुत दुख है और उनके परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं और डॉक्टरों और बचाव टीमों को उनके काम के लिए धन्यवाद देता हूं।'

डिजिटल भुगतान पर बढ़ा देशवासियों का भरोसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एकीकृत भुगतान व्यवस्था के जरिये लेनदेन का आंकड़ा अगस्त में 10 अरब को पार कर गया। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के आंकड़ों के अनुसार,30 अगस्त को यूपीआइ लेनदेन का आंकड़ा 10.24 अरब हो गया। इन लेनदेन का मूल्य 15,18,456.4 करोड़ रुपये रहा। जुलाई में यूपीआइ लेनदेन की संख्या 9.96 अरब थी जबकि जून में यह 9.33 अरब थी। एनपीसीआइ देश में सभी खुदरा भुगतान प्रणालियों का मुख्य संगठन है। अगस्त 2021 में यूपीआई के जरिए लेनदेन का आंकड़ा केवल 3.5 बिलियन था, जो दो वर्षों में लगभग तीन गुना बढ़ चुका है। हमारे देश में अब ज्यागदात व्यापारी यूपीआई के जिए लेनदेन पर भरोसा दिखा रहे है। आज के समय करोड़ों की कमाई करने वाले व्यापारी हो या सब्जी बेचने वाले छोटे-मंझोले दुकानदार, सभी यूपीआई के जरिए लेनदेन कर रहे है। गौरतलब है कि 35 से ज्यादा देश अब भारत की यूपीआई तकनीक को अपनाना चाहते है। जापान उन देशों में शामिल है जिन्होंने हाल ही में यूपीआई को अपनाने में रुचि व्यक्त की है।

18वें इंडियन फैशन जूलरी और एक्सेसरीज शो का उद्घाटन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा 24 जून, 2024- 24 से 26 जून 2024 तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर में आयोजित

किए जा रहे इंडियन फैशन जूलरी और एक्सेसरीज शो (आईएफजेएएस) के 18वें संस्करण का आज एक रंगारंग समारोह में उद्घाटन किया गया, जिसमें ईपीसीएच अध्यक्ष दिलीप बैद; डॉ. राकेश कुमार, डॉ. राकेश कुमार, मुख्य संरक्षक, महानिदेशक, ईपीसीएच और अध्यक्ष, इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड; सागर मेहता, उपाध्यक्ष घ्, ईपीसीएच; सोबिंदर सिंह कोहली, अध्यक्ष, स्वागत समिति, आईएफजेएएस 2024 और नवीन यादव, उपाध्यक्ष, स्वागत समिति, आईएफजेएएस 2024; पूर्व अध्यक्ष - ईपीसीएच रवि के पासी और राज के मल्होत्रा और प्रशासन समिति के सदस्य - ईपीसीएच,आर के वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच; प्रदर्शक, व्यापार सदस्य, प्रेस और मीडिया की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ घ् ईपीसीएच अध्यक्ष दिलीप बैद ने कहा, मेले का प्राथमिक लक्ष्य खुद को और अपने ब्रांड को स्थापित करना है घ् उन्होंने प्रदर्शकों को न केवल अल्पकालीन बिजनेस पर ध्यान देने के लिए बल्कि आत्मविश्वास, ब्रांड लॉयलिटी, और नेटवर्किंग पर फोकस करने के लिए भी प्रोत्साहित किया घ् उन्होंने मेले में भागीदारी के जरिए सीखने, नवीनतम डिजाइनों को लेकर अपडेट होने, और प्रतिस्पधिर्यों की रणनीति को समझने के अवसरों पर जोर डाला और यह भी बताया कि मेले के इस संस्करण में 40 से अधिक देशों के खरीदार शामिल होने के लिए तैयार है ईपीसीएच के महानिदेशक और इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड के अध्यक्ष की भूमिका में मुख्य सलाहकार डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि मेले में बड़ी संख्या में खरीदार आए हैं और अपने नियमित और नए आपूर्तिकर्ताओं के साथ ऑर्डर देने में अपनी रुचि व्यक्त की है। पहली बार आने वाले आगंतुक माहौल और केंद्रित प्रदर्शन और प्रस्तुतियों से प्रसनन हैं। कई लोगों ने आईएफजेएएस में वर्षों से मिले निर्माताओं से सोर्सिंग के लिए अपनी प्राथमिकता के बारे में स्पष्ट रूप से बताया है ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक आर के वर्मा ने बताया, ठइस तीन दिवसीय व्यापार मुलाकात को पूरे भारत से आए लगभग 175 प्रदर्शक खरीदारों को उत्पादों के विस्तृत रेंज की छानबीन करने का अनूठा अवसर प्रदान करता है जिससे वो अपना स्टाइल स्टेटमेंट तैयार कर सकें घ् आईएफजेएएस में मांग वाले उत्पादों में सोर्सिंग कॉम्पोनेंट भी शामिल है, क्योंकि विभिनन बाजारों से आयात करने वाले कई खरीद समुदाय, खास कर भारत से अपने जूलरी उत्पादों के लिए सोर्सिंग कॉम्पोनेंट लेना पसंद करते है।

विदेशी निवेशकों ने इक्विटी से निकाले 24,734 करोड़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) की घरेलू इक्विटी बाजारों से लगातार निकासी जारी है। डिपाजिटरी के डाटा के अनुसार, 25 जनवरी तक एफपीआइ इक्विटी बाजारों से 24,734 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। डिपाजिटरी के डाटा के अनुसार 25 जनवरी तक एफपीआइ इक्विटी बाजारों से 24734 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। इसके विपरीत इस अवधि में एफपीआइ ने डेट बाजारों में 17120 करोड़ रुपये का निवेश किया है। बीते सप्ताह घरेलू बाजारों में रही गिरावट के चलते शीर्ष-10 में से सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 1.16 लाख करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई है। इसके विपरीत, इस अवधि में एफपीआइ ने डेट बाजारों में 17,120 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एफपीआइ ने इससे पहले दिसंबर में 66,134 करोड़ और नवंबर में नौ हजार करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का कहना है कि अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि चिंता का विषय है। इससे नकदी बाजार में बिकवाली का हालिया दौर शुरू हो गया है। विजयकुमार के अनुसार, वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के कदमों

के चलते हुई थी जिससे 10 वर्षीय अमेरिकी बॉन्ड पर यील्ड पांच प्रतिशत से घटकर 3.8 प्रतिशत पर आ गई थी। हालांकि, अब यह फिर बढ़कर 4.18 प्रतिशत हो गई है। इससे संकेत मिलता है कि फेडरल रिजर्व 2024 की दूसरी छमाही में ही ब्याज दरों में कटौती करेगा। मार्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर हिमांशु श्रीवास्तव का कहना है कि एफपीआइ ने सतर्कता के साथ नए वर्ष की शुरुआत की है। इसी सोच के साथ उन्होंने भारतीय इक्विटी बाजारों में मुनाफावसूली शुरू की है। पूरे 2023 के दौरान एफपीआइ ने घरेलू इक्विटी बाजारों में 1.71 लाख करोड़ रुपये और डेट बाजारों में 68,663 करोड़ रुपये का निवेश किया है। बीते सप्ताह घरेलू बाजारों में रही गिरावट के चलते शीर्ष-10 में से सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 1.16 लाख करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई है। इस दौरान एचडीएफसी बैंक के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा 32,661.45 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इसी तरह, एलआइसी के पूंजीकरण में 20,682.74 करोड़, टीसीएस में 19,173.43 करोड़, एसबीआइ में 16,599.77 करोड़, आइटीसी में 15,908.1 करोड़, एचयूएल में 9,210.4 करोड़ और रिलायंस के पूंजीकरण में 1,928.22 करोड़ रुपये की गिरावट रही है। दूसरी ओर, भारती एयरटेल, इन्फोसिस और आइसीआइसीआइ बैंक के पूंजीकरण में क्रमशः 20,717.87 करोड़, 9,151.75 करोड़ और 1,137.37 करोड़ रुपये की वृद्धि रही है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस अभी भी शीर्ष पर बनी हुई है।

डेढ़ किलो की गुलाबी रंग की साड़ी पहनेंगी नीता अंबानी की बहू राधिका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। उद्योगपति मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी कुछ दिन पूर्व काशी आकर अपने बेटे अनंत और बहू राधिका की शादी का कार्ड बाबा

विश्वनाथ को चढ़ाया था। इसी दौरान वे रामनगर स्थित बुनकरों से भी मिलीं थीं। ये लोग अंबानी परिवार के लिए कुल 57 साड़ियां बना रहे हैं।नीता अंबानी की बहू राधिका मर्चेंट के लिए बनारस में डेढ़ किलो की साड़ी तैयार हो रही है। रामनगर में बुनकर इसे पिछले दो महीने से तैयार कर रहे हैं। रंग काट (गुलाबी) साड़ी में सोने-चांदी के साथ मीना का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। बुनकर विभोर और निलेश ने बताया कि नीता अंबानी के लिए 57 साड़ी तैयार की जा रही है। बहू के लिए खास रंग काट गुलाबी रंग में साड़ी बनाई जा रही है। इस साड़ी में 500 ग्राम सोने के तार, 250 ग्राम रूपा तार, 250 ग्राम तानी, 250 ग्राम बानी और 250 ग्राम मीना लग रहा है। हैंडलूम से तैयार हो रही इस साड़ी पर महीन कारीगरी की जा रही है। इसकी डिजाइन बेहद खूबसूरत है। रोजाना करीब सात से आठ घंटे लगकर कारीगर इसे तैयार करने में लगे हैं। इसके साथ ही एक मीटर का दुपट्टा (श्रीनाथ) भी तैयार किया गया है। यह दुपट्टा 100 ग्राम का है। हैंडलूम पर तैयार हो रहे इस दुपट्टे की डिजाइन अंबानी परिवार की ओर से मिली है। पांचवी पीढ़ी के अनिकेत ने बताया कि रिलायंस स्वदेश की ओर से मिले ऑर्डर पर माल तैयार हो रहा है। चार दिन पूर्व नीता अंबानी घर पहुंची थीं तो उन्होंने हमारी कारीगरी की काफी तारीफ की थी। पिता विजय मौर्य की देखरेख में दो कारीगर नीता अंबानी की बहू राधिका के लिए साड़ी बना रहे हैं।

बॉलीवुड/टेली मसाला

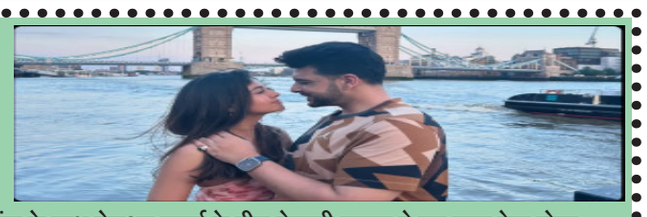

'प्यार का मतलब करण कुंद्रा के साथ ब्रेकअप रूमर्स के बीच तेजस्वी प्रकाश ने कर डाला ऐसा पोस्ट

करीना कपूर खान ने शेयर की बिकिनी फोटोज लंदन में पति सैफ संग मना रही हैं छुट्टिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर पिछले कुछ दिनों से फैमिली के साथ लंदन में वेकेशन एन्जॉय कर रही है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है और लगातार फोटो साझा कर रही हैं। अभी एक दिन पहले ही बेटे तैमूर की बीच फोटो इंस्टा स्टोरी पर साझा की थी बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस करीना कपूर खान की फैन पूरी दुनिया है। भले की एक्ट्रेस 41 साल की हो और दो बेटों की मां क्यों न बन गई हो लेकिन उनकी खूबसूरती में कोई बदलाव नहीं आया है। करीना कपूर खान इन दिनों पति सैफ अली खान के साथ लंदन वेकेशन की एन्जॉय कर रही हैं जिसकी एक झलक उन्होंने साझा की है। वहीं, अब गुरुवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी बीच फोटोज शेयर की है, जिसमें बेबो कहर ढाती नजर आ रही है। फोटो में करीना ब्लू की बिकिनी पहने नजर आ रही है दो बेटों की मां करीना कपूर 41 साल की उम्र में भी खुद को काफी फिट रखा हुआ है। गुरुवार 27 जून को अभिनेत्री ने अपने इंस्टा पर कई फोटोज शेयर की है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं तस्वीरों में आप देख सकते हैं कैसे करीना सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। बेबो अपने हॉलीडे का पूरा मजा उठा रही हैं। एक फोटो में सैफ अली खान भी शर्ट लेस नजर आ रहे हैं। करीना कपूर लंदन के बीच के खूबसूरत नजारों का लुत्फ उठाती दिख रही हैं। फोटोज में करीना ब्लैक सन ग्लास लगाए बिना मेकअप के नजर आ रही हैं। करीना की इन फोटोज पर सेलेब्स और फैन जमकर पोस्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा- हे भगवान, मेरी पू। दूसरे यूजर ने लिखा- बिल्कुल एक राजकुमारी की तरह। तीसरे यूजर ने लिखा- तुम्हारा पूरा हक बनता है कि तुम इससे भी ज्यादा सुंदर लगो मेरी प्यारी पू। करीना कपूर खान आखिरी बार फिल्म क्रू में नजर आई थीं। जो पर्दे पर हिट साबित हुई थी। अब जल्द रोहित शेट्टी की आने वाली फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगी।

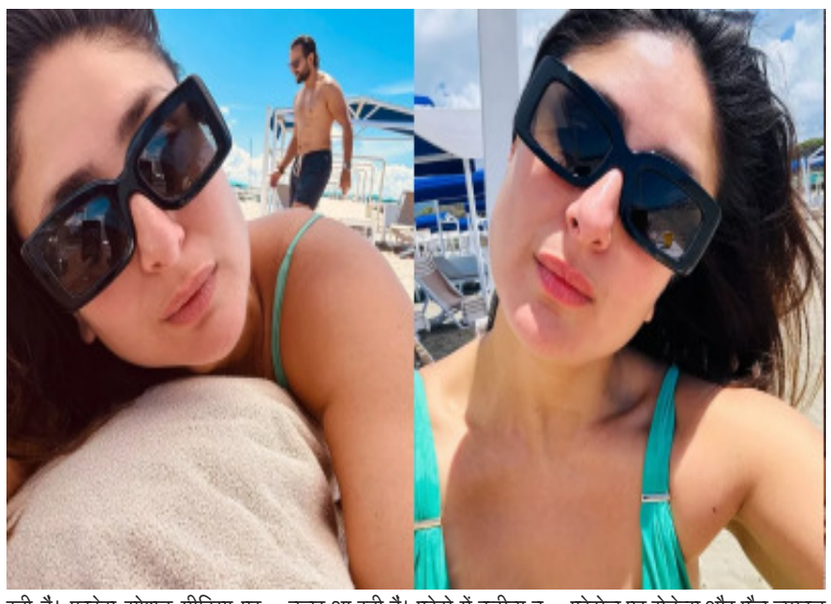

जब जमीर बेचकर शाह रुख खान को करनी पड़ी फिल्म माली हालत ठीक होने के बाद सबसे पहले किया था ये काम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर का जिक्र हो, तो लोगों के जुबान पर जो नाम सबसे पहले आता है, वो शाह रुख खान का होता है। शाह रुख इंडस्ट्री के बेताज बादशाह हैं। उन्होंने अपने अभिनय से लाखों लोगों को अपना दीवाना बनाया है। आज उनके फैंस सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी मौजूद हैं। शाह रुख खान बॉलीवुड के बेहतरीन स्टार में से एक हैं। उन्होंने अभी तक कई फिल्मों में काम किया है और अपनी एक अलग पहचान बनाई है। किंग खान की मूवी का फैंस बेसब्री के साथ इंतजार करते हैं लेकिन बहुत कम लोग इस बात को जानते होंगे कि किंग खान ने अपने करियर में एक मूवी पैसों के लिए की थी। हालांकि, इंडस्ट्री में आना और बादशाह बनकर लोगों के दिलों पर राज करना किंग खान के लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था। उन्होंने इंडस्ट्री में बिना किसी गॉडफादर के कड़ी मेहनत करके ये कामयाबी हासिल की है और आज उनके पास दौलत, शोहरत, प्यार सब कुछ है। अपने करियर में शाह रुख खान ने कई हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया है। वह किसी भी फिल्म को साइन करने से पहले काफी सोचते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि किंग खान ने अपने करियर में एक ऐसी फिल्म भी की है, जिसे लेकर उन्हें अब भी अफसोस होता है। इस बात का खुलासा खुद शाह रुख ने किया था। चलिए जानते हैं इसके पीछे की वजह। शाह रुख खान किसी मूवी में कैमियो करें या फिर पूरी मूवी ही उन्हीं को हो, वह अपने रोल को प्ले करने के लिए उसमें जी-जान लगा देते हैं। फैंस फिल्मों में उनकी एक झलक देखने को बेकरार रहते हैं, लेकिन उनकी एक मूवी ऐसी थी, जिसे वह नहीं करना चाहते थे। साल 2016 में अनुष्का शर्मा और शाह रुख खान एक टॉक शो 'यारों की बारात' में गए थे। इस शो में साजिद ने स्टार्स से सवाल किया कि क्या उन्होंने अपनी लाइफ में कभी कोई मूवी सिर्फ और सिर्फ पैसों के लिए की है। इस पर अनुष्का ने न में जवाब दिया और किंग खान ने हां में। इसके साथ ही उन्होंने इसकी वजह भी बताई। शाह रुख ने कहा था कि मैं नाम नहीं लूंगा, लेकिन जिंदगी में मैंने एक बार किया है।

एस एस राजामौली नहीं, बॉलीवुड के इस दिग्गज डायरेक्टर ने प्रभास की कल्कि 2898 से किया एक्टिंग डेब्यू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लंबे वक्त से फैंस प्रभास स्टारर फिल्म कल्कि 2898 एडी की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और 27 जून यानी कल उनका ये इंतजार खत्म हो गया है। कल्कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है और इसे ओपनिंग डे पर ऑडियंस की तरफ से शानदार रिस्पॉन्स मिला है। निर्देशक नाग अश्विन की बहुचर्चित फिल्म कल्कि 2898 एडी कल से सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। प्रभास की इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। मूवी में कई कलाकारों के कैमियो की भरमार है। इतना ही नहीं हिंदी सिनेमा के एक मशहूर निर्देशक ने भी कल्कि से एक्टिंग डेब्यू कर डाला है। अपनी कहानी और वीएफएक्स को लेकर कल्कि की खूब चर्चा हो रही है। इसके अलावा मूवी में दिखाए गए तमाम फिल्मी सितारों के कैमियो रोल भी सुर्खियों बटोर रहे हैं। खास बात ये कि इस फिल्म से हिंदी सिनेमा के एक फेमस निर्देशक ने भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया है। आइए जानते हैं कि वो कौन डायरेक्टर हैं। कल्कि 2898 एडी रिलीज से साथ ही चर्चा का नया विषय बन गई हैं। फैंस की बीच इस फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। उनकी एक्साइटमेंट तब और अधिक बढ़ गई, जब उन्होंने प्रभास के साथ फिल्म में हिंदी सिनेमा के दिग्गज फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा को बतौर एक्टर देखा। जी हां, आपने एक दम सही सुना कल्कि में राम गोपाल वर्मा का कैमियो रोल दिखाया गया है। इसको लेकर उन्होंने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर फिल्म के निर्देशक नाग अश्विन को धन्यवाद बोला है ट्वीट में लिखा है- सत्या फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा के अलावा साउथ सिनेमा के दिग्गज फिल्ममेकर एस एस राजामौली, दुलकर सलमान, मृणाल ठाकुर और विजय देवरकोंडा जैसे फिल्मी सितारों के कैमियो भी आपको कल्कि 2898 एडी में आसानी से देखने को मिल जाएंगे।

मेकर्स ने 'डाउनटाउन ऐबी 3' की रिलीज डेट से उठाया पर्दा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 'डाउनटाउन ऐबी 3' के निर्माताओं ने आखिरकार फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। ये फिल्म दुनियाभर में रिलीज होगी, ऐसे में इसका क्रेज भी बना हुआ है। डाउनटाउन ऐबी के पिछले दो पार्ट सुपरहिट रहे थे। ऐसे में फैंस 'डाउनटाउन ऐबी 3' का बेसब्री का इंतजार कर रहे थे। इस बीच मेकर्स ने फिल्म की रिलीज से पर्दा उठा दिया है। डाउनटाउन ऐबी 3 को लेकर फैंस के बीच एक्साइटमेंट बना हुआ है। फिल्म के पिछले दो सीक्वल को खूब पसंद किया गया था। ऐसे में तीसरी कड़ी को लेकर भी बज बना हुआ है। फिल्म के मेकर्स ने फैंस को खुशखबरी दी है। डाउनटाउन ऐबी 3 की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया गया लेकिन फिल्म को थिएटर्स तक पहुंचने में अभी वक्त लगेगा। डाउनटन ऐबी' 2019 की एक ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है, जिसे जूलियन फेलोस ने लिखा है। वहीं, माइकल एंगलर ने डायरेक्शन किया है। 1927 में सेट की गई ये फिल्म यॉर्कशायर में क्रॉली परिवार के आलीशान घर की शाही यात्रा को दिखाती है। सीक्वल, 'डाउनटन ऐबी: ए न्यू एरा' 2022 में रिलीज की गई थी। वैरायटी की रिपोर्ट के अनुसार, 'डाउनटाउन ऐबी 3' 12 सितंबर, 2025 में वर्ल्ड वाइड रिलीज की जाएगी। फिल्म फिलहाल यूके में प्रोडक्शन स्टेज में है। फोकस फीचर्स और कार्निवल फिल्म्स ने 'डाउनटाउन ऐबी 3' के लिए कोलैब्रोशन किया है। वहीं, साइमन कर्टिस 2022 की 'डाउनटन ऐबीः ए न्यू एरा' का निर्देशन करने के बाद एक बार फिर डायरेक्शन में वापसी कर रहे हैं। डाउनटाउन ऐबी 3' की स्टार कास्ट के बारे में बात करें, तो फिल्म में ह्यूग बोनविले, डोमिनिक वेस्ट, एलिजाबेथ मैकगवर्न, मिशेल डॉकरी, लॉरा कारमाइकल, जिम कार्टर, फिलिस लोगन, रॉबर्ट जेम्स-कोलियर, जोआन फ्रॉगेट, एलन लीच, पेनेलोप विल्टन, लेस्ली निकोल, माइकल फॉक्स, रेकल कैसिडी, ब्रेंडन कोयल, केविन डॉयल, हैरी हैडेन-पैटन, सोफी मैकशेरा, डगलस रीथ और डोमिनिक वेस्ट पार्ट 2 के बाद एक बार फिर नजर आएंगे। 'डाउनटाउन ऐबी 3' की कहानी के बारे ज्यादा कुछ पता नहीं चल पाया है, लेकिन ये 2022 की सीक्वल के अंत से ही शुरू होगी।

टीम इंडिया की जीत के जश्न में डूबा बॉलीवुड अजय देवगन सहित इन सेलेब्स ने रोहित शर्मा की टीम को दी भर-भर के बधाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अक्सर देखा जाता है कि जब भी टीम इंडिया क्रिकेट के मैदान में कुछ भी अच्छा करती है तो उसकी जीत की खुशी में हिंदी सिनेमा की कई फिल्मी सितारे बढ़-चढ़ कर भाग लेते हैं। आईसीसी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट वर्ल्ड 2024 के सेमी फाइनल मुकाबले में जैसे ही भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की टीम इंग्लैंड की टीम को हराया, उसके बाद बॉलीवुड सेलेब्स के रिएक्शंस आने शुरू हो गए। आईसीसी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम ने जगह बना ली है। कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने सेमी फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की टीम को 68 रनों से रौंद दिया है। भारत की इस जीत पर अब हिंदी सिनेमा के तमाम सेलेब्स अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। अजय देवगन सहित तमाम स्टार्स ने भारतीय टीम की इस खास जीत पर खुशी जाहिर की है और अपनी टीम को फाइनल में पहुंचने के लिए बधाइयां भी दी हैं। वेस्ट इंडीज के गयाना क्रिकेट ग्राउंड पर देर रात भारत ने इंग्लैंड को सेमी फाइनल मैच 68 रनों से मात देकर इस टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। जहां शनिवार को खिताबी मुकाबले के लिए टीम इंडिया की भिड़ंत साउथ अफ्रीका से होनी है। भारतीय टीम की सेमी फाइनल जीत पर अभिनेता अजय देवगन ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें रोहित शर्मा और उनकी टीम की शानदार तस्वीरें शामिल हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा है- अब ये दिखाने का वक्त आ गया है कि असफलता से हमारी वापसी तय है। इतिहास रचने से हम बस एक कदम पीछे हैं। आप सभी लड़कों ने शानदार खेल दिखाया। कप को घर वापस लाने का समय आ गया है। क्रिकेट के शौकीन माने जाने वाले अभिनेता आयुष्मान खुराना और वरुण धवन ने भी टीम इंडिया की जीत का जश्न मनाया है। सभी सेलेब्स भारत को फाइनल के लिए शुभकामनाएं और वेस्ट विसेज भी दे रहे हैं।

पलक की किलर तस्वीरें देख रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड इब्राहिम अली खान ने दिया ऐसा रिएक्शन, फैंस ने किए सवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड में धीरे-धीरे अपनी पहचान बना रहीं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर वहां अपनी खूबसूरत फोटोज फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में पलक ने कई फोटोज शेयर कीं जिन्हें देखने के बाद रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड इब्राहिम अली खान भी खुद को कमेंट करने से नहीं रोक पाए। श्वेता तिवारी की बेटी पलक सिर्फ अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर ही नहीं, बल्कि पर्सनल लाइफ को लेकर भी लाइमलाइट में बनी रहती हैं। अक्सर उन्हें सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ स्पॉट किया जाता है। दोनों के बीच काफी अच्छा बॉन्ड देखने को मिलता है। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि, इस पर अभी तक दोनों में से किसी ने खुलकर बात नहीं की है, लेकिन अब इब्राहिम ने पलक की फोटोज पर कमेंट किया है। पलक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर कैजुअल लुक में कई तस्वीरें शेयर कीं। इन फोटोज में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस ग्रीन फुल स्लीव टॉप और ग्रे कलर का ट्राउजर पहने नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस के खुले बाल और लाइट मेकअप उनके इस कैजुअल लुक में चार चांद लगा रहा है। सिर्फ इतना ही नहीं, पलक की क्यूट स्माइल ने फैंस के साथ-साथ इब्राहिम अली खान का भी दिल जीत लिया है, जिसकी वजह से वह खुद को एक्ट्रेस की तस्वीरों पर कमेंट करने से नहीं रोक पाए। पलक ने इन फोटोज को शेयर करते हुए कमेंट सेक्शन में लिखा कि मेरा यूएसपीए मानसून, जिस पर फैंस के साथ-साथ इब्राहिम ने भी रिएक्ट किया। इब्राहिम ने फायर वाला इमोजी शेयर करते हुए लुकिंग गुड लिखा। इसके बाद पलक ने भी एक इमोजी शेयर कर अपना जवाब दिया। वहीं, कुछ फैंस ने भी पलक की तारीफ की और इब्राहिम से सवाल किए हैं। एक यूजर ने पूछा रिश्ता पक्का समझे।

दवा की जगह मार्केट में बंट रही है मौत, रितेश देशमुख खोलेंगे फार्मा कंपनी के धंधे की पोल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रितेश देशमुख बॉलीवुड के एक ऐसे अभिनेता हैं, जो किसी भी किरदार में जान फूंकना बखूबी जानते हैं। कॉमेडी हो या फिर नेगेटिव रोल उनकी हर भूमिका लोगों को काफी पसंद आती है। बिग स्क्रीन के बाद अब वह धीरे-धीरे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। की कॉमेडी तो लोगों को पसंद आती ही है लेकिन वह सीरियस किरदार में भी ऑडियंस को खूब भाते हैं। उन्होंने एक विलेन से लेकर मराठी फिल्म वेड तक कई सुपरहिट फिल्में की हैं। अब वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वेब सीरीज डेब्यू कर रहे हैं। उनकी आगामी सीरीज पिल का हाल ही में ट्रेलर रिलीज हुआ जिसमें वह फार्मा कंपनी की पोल खोलते दिख रहे हैं। उनकी साल 2022 में 'प्लान ए-प्लान बी' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म के बाद अब वह वेब सीरीज में भी अपना डेब्यू कर रहे हैं। रितेश एक बार फिर से 'पिल' के साथ फिर दर्शकों के बीच ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लौट रहे हैं, जिसका धमाकेदार ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है। रितेश देशमुख के आगामी प्रोजेक्ट की कहानी उनकी पिछली फिल्मों से बिल्कुल हटकर है। 'पिल' का 1 मिनट 50 सेकंड का ये ट्रेलर वाकई शानदार है। रितेश देशमुख ने इस सीरीज में डॉ प्रकाश चौहान का किरदार अदा कर रहे हैं, जो कंपनी का डिप्टी मेडिसिन कंट्रोलर है। इस ट्रेलर की शुरुआत में दिखाया गया है कि कैसे दवाई के गोरखधंधे का जाल बहुत-बहुत दूर-दूर तक फैला हुआ है। कुछ ऐसी कंपनी हैं, जो 'लंका' की तरह हैं और उस पर अंकुश लगाने के लिए एक 'रामनगरी' बनी हुई जो है 'मेडिसिन अथॉरिटी ऑफ इंडिया'। इस छोटी सी झलक में एक सच्चाई उगाजर की गयी है कि कैसे एक फार्मा कंपनी की बनी दवाइयां खाकर कुछ लोगों की मौत हो रही है ।

'प्यार का मतलब करण कुंद्रा के साथ ब्रेकअप रूमर्स के बीच तेजस्वी प्रकाश ने कर डाला ऐसा पोस्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश टेली वर्ल्ड के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। बिग बॉस सीजन 15 में दोनों की मुलाकात हुई थी और वहीं से उनकी प्रेम कहानी शुरू हो गई थी। उनकी केमिस्ट्री इस कदर लोगों को पसंद आई कि फैंस ने उनका नाम तेजरन रख दिया। तब से दोनों अपने बॉन्ड से दिल जीतते आ रहे हैं। हाल ही में अपने ब्रेकअप की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। कहा जा रहा था कि कपल ने एक महीने पहले ही अपनी राहें जुदा कर ली हैं और फैंस का दिल न टूट जाये इसलिए अभी कन्फर्म नहीं कर रहे हैं। अब इन खबरों के बीच तेजस्वी प्रकाश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर दिया है। मगर पिछले कुछ समय से करण कुंद्रा और तेजस्वी के ब्रेकअप को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। दो हफ्ते पहले कपल के ब्रेकअप की खबरें खूब चर्चा में रहीं। हालांकि, एक्टर ने रोमांटिक फोटोज शेयर कर सारी खबरों को खारिज कर दिया था। बीते दिन एक बार फिर ब्रेकअप की खबरें आईं और अब तेजस्वी ने अपने पोस्ट से सब साफ कर दिया है। मगर पिछले कुछ समय से करण कुंद्रा और तेजस्वी के ब्रेकअप को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। दो हफ्ते पहले कपल के ब्रेकअप की खबरें खूब चर्चा में रहीं। हालांकि, एक्टर ने रोमांटिक फोटोज शेयर कर सारी खबरों को खारिज कर दिया था। बीते दिन एक बार फिर ब्रेकअप की खबरें आईं और अब तेजस्वी ने अपने पोस्ट से सब साफ कर दिया है। ब्रेकअप रूमर्स के बीच तेजस्वी प्रकाश ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर करण कुंद्रा के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। फोटोज में कपल लंदन में वेकेशन एन्जॉय करता हुआ नजर आ रहा है। एक तस्वीर में तेजस्वी, करण के कंधे पर सिर रखकर खिलखिला रही है। एक फोटो में करण और तेजस्वी लंदन ब्रिज के सामने एक-दूसरे की आंखों में डूबे हुए नजर आ रहे हैं। एक फोटो में दोनों रोमांटिक पोज दे रहे हैं। तेजस्वी प्रकाश ने अपनी सोलो फोटोज भी शेयर की हैं। एक जगह वह सनकिस्ड फोटो क्लिक करवा रही हैं और टेबल पर बियर की बोतल रखी है। फ्लोरल स्ट्रैपलेस ड्रेस में तेजस्वी हसीन लग रही हैं। इन तस्वीरों से साफ है कि तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा का ब्रेकअप नहीं हुआ है। दोनों लंदन में वेकेशन का लुत्फ उठा रहे हैं। फोटोज के साथ तेजस्वी ने अपनी और करण की बातचीत भी कैप्शन के जरिए शेयर किया है। उन्होंने लिखा, ठकरण- मैं उसे सबसे अच्छा क्लिक करता हूं। या फिर, तेजस्वी- प्यार का मतलब है पहचानना। अपना फेवरेट कैप्शन चुनिये।ठ एक्ट्रेस के इस पोस्ट से फैंस ने राहत की सांस ली है।

सम्पादकीय

अस्तित्व के जंगल में सभी अकेले घटते संवाद के कारण मानवीय सहानुभूति भी दम तोड़ देती है

पिछले हफ्ते एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक युवती को उसके कथित पूर्व प्रेमी ने मार डाला व लोग वीडियो बनाते रहे। लोगों की यह निष्क्रियता दर्शाती है कि घर से निकलने के बाद आप बिल्कुल अकेले होते हैं। 'कोई दूसरा हस्तक्षेप करेगा' की व्यक्तिगत सोच सामूहिक निष्क्रियता की ओर ले जाती है।इस हफ्ते की शुरुआत में मेरी एक अंशकालिक सहयोगी ने एक युवक की कहानी सुनाई, जिसकी मात्र दस रुपये के लिए कई लोगों की मौजूदगी में बेरहमी से हत्या कर दी गई। हुआ यों कि वह युवक गोलगप्पे का ठेला लगाता था, वहीं उससे कुछ कदम की दूरी पर एक सब्जी बेचने वाला था, जिसने इससे दस रुपये का एक प्लेट गोलगप्पा उधार लिया था। बाद में उसने पैसे देने से इन्कार कर दिया, तो दोनों के बीच इस बात पर कहा-सुनी हो गई और बात इतनी बढ़ गई कि उस व्यक्ति ने एक बोतल उठाकर गोलगप्पे वाले का गला काट दिया। यह अपराध जितना चौंकाने वाला है, उससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात है कि यह घटना एक व्यस्त और चहल-पहल भरे बाजार में लोगों की नजरों के सामने हुई। मेरी घरेलू सहायिका ने बताया कि लोग सिर्फ देख रहे थे और घटना का वीडियो बना रहे थे। कोई भी न तो उसे बचाने आया और न ही बीच-बचाव करने आया। इसका नतीजा यह हुआ कि दो मासूम बच्चों के बीस वर्षीय पिता ने खून से लथपथ जमीन पर गिरकर दम तोड़ दिया। दुर्भाग्य से यह सार्वजनिक उदासीनता का अकेला मामला नहीं है, बल्कि देश भर के कई शहरों और कस्बों में ऐसा होता है. पिछले हफ्ते न्यूज चैनलों पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें सुबह-सुबह एक युवती को एक ऐसे व्यक्ति ने मार डाला, जिसे उसका पूर्व प्रेमी बताया जा रहा था। यह मामला प्रेम प्रसंग में आई कड़वाहट का लग रहा था। पीठ पर बैग लटकाए हुए उस लड़के ने युवती पर लगातार हमला किया, जबकि वहां खड़े अन्य लोग, खासकर उससे काफी बड़े लोग यह सब देख रहे थे। यह कोई ऐसा मामला नहीं था, जिसमें कोई खतरनाक अपराधी बंदूक या किसी घातक हथियार से लोगों को डरा रहा हो, बल्कि यह एक छोटे कद का लड़का था, जो युवती पर हमला कर रहा था। ऐसी हिंसा के सामने लोगों की यह निष्क्रियता क्या बताती है? पिछले वर्ष एक अन्य लड़के को पत्थर से एक लड़की के सिर को कुचलते हुए देखा गया था, जबकि आसपास खड़े कई लोग मूकदर्शक बने हुए थे। शहर भर में लगे सीसीटीवी कैमरे इन भयावह घटनाओं को कैद करने का बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन वे यह भी दिखाते हैं कि लोगों की नैतिकता कितनी गिर चुकी है। इन सभी मामलों में और अन्य मामलों में भी तथ्य यह है कि असहाय और असुरक्षित पीड़ित को क्रूरता का सामना करना पड़ता है और लोग हस्तक्षेप नहीं करते हैं। यह हमें न केवल हैरान करता है, बल्कि यह भी बताता है कि एक बार घर से निकलने के बाद आप बिल्कुल अकेले होते हैं। दूसरी तरफ ऐसे भी उदाहरण हैं, जब भले लोगों ने मामले में हस्तक्षेप किया और उन्हें उसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। कुछ साल पहले मुंबई में रुबेन और कीनन नामक दो लड़कों को तब अपनी जान गंवानी पड़ी, जब वे अपने समूह की दो लड़कियों को छेड़खानी करने वालों से बचा रहे थे। उस समय भी काफी सारे लोग अपराधियों को उन्हें पीटते और चाकू घोंपते देख रहे थे, लेकिन किसी ने बीच-बचाव नहीं किया। कीनन तो वहीं मर गया, लेकिन रुबेन 11 दिनों तक अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ता रहा। एक बार फिर यह घटना राष्ट्रीय समाचार बनी। ऐसी घटनाओं पर बाद में आक्रोश जताना और नैतिक रूप से निंदा करना एक नियमित अभ्यास हो गया है, लेकिन वास्तव में कुछ नहीं बदलता है। कीनन और रुबेन की घटना 2011 में हुई थी और अब 2024 में भी हम इन स्थितियों से जूझ रहे हैं। ऐसा लगता है कि ये घटनाएं बहुत दूर नहीं, बल्कि हमारे पड़ोस में हो रही हैं, जैसा कि मेरी घरेलू सहायिका ने बताया। बहुत संभव है कि हममें से कोई भी ऐसी किसी घटना में फंस जाए और बहुत कम मदद मिले। समाज के लोगों के बीच एक अघोषित अनुबंध होता है कि हम एक-दूसरे का ख्याल रखेंगे और खतरों का सामना करते हुए एक-दूसरे के प्रति दयालुता दिखाएंगे। यह एक मानवीय अनुबंध है, जो उन मानवीय मूल्यों और अनुभवों पर आधारित होते हैं, जिन्हें एक समाज के रूप में हम साझा करते हैं। हालांकि अक्सर इस अनुबंध का उल्लंघन होता है। यह बेहद आम है और निर्मम तरीके से होता है, जैसे ट्रैफिक में एंबुलेंस को रास्ता देने या जानलेवा खतरे में पड़े किसी व्यक्ति की मदद करने से इन्कार करना। इस तरह की निष्क्रियता का क्या मतलब है? यह एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जिसे 'बाईस्टैंडर प्रभाव' कहा जाता है, जो कुछ हद तक इसके बारे में खुलासा करता है। वर्ष 1964 में किट्टी जेनोविस नामक एक महिला बारटेंडर की न्यूयॉर्क में बलात्कार करने के बाद हत्या कर दी गई। मीडिया में छपे एक लेख में दावा किया गया कि 38 लोगों ने कुछ अप्रिय घटना सुनी या देखी।

खाद्य पदार्थों में मिलावट के लिए कंपनियां है जिम्मेदार

खाद्य पदार्थों में मिलावट की घटनाएं देश की साख के लिए अच्छी नहीं हैं, लेकिन इसके जिम्मेदार किसान नहीं, कंपनियां हैं।खाद्य या आहार को किसी व्यक्ति के भरण-पोषण, विकास और वृद्धि के लिए मूलभूत आवश्यकता माना

जाता है। हाल ही में राजस्थान के स्वास्थ्य विभाग द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत गुणवत्ता परीक्षणों में कई प्रमुख मसाला ब्रांड विफल रहे, जिसमें एमडीएच, एवरेस्ट, गजानंद, श्याम और शीबा ताजा जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के नमूने उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाए गए। इनमें कीटनाशक के अवशेष और अन्य हानिकारक रसायन मिले हैं। यह पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी मिलावट की घटनाएं पाई गई हैं। ऐसी घटनाएं खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता के प्रति गंभीर चिंताओं को उजागर करती हैं, जो उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और वैश्विक व्यापार में भारत की साख पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। ऐसी समस्या के लिए अब किसानों को जिम्मेदार ठहराया जाने लगा है, क्योंकि वे अपनी फसल सुरक्षा और उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर रासायनिक का उपयोग करते हैं। लेकिन किसानों को दोषी ठहराना अनुचित है। यह एक जटिल और बहुआयामी समस्या है, जिसमें किसानों की भूमिका बहुत कम है। कई छोटे और सीमांत किसानों के पास आधुनिक कृषि पद्धतियों और सुरक्षित रसायनों के बारे में जानकारी की कमी होती है। ज्ञान और जागरूकता की कमी उन्हें अनजाने में हानिकारक रसायनों का उपयोग करने के लिए मजबूर करती है। गंभीर आर्थिक दबाव में फंसे किसान अधिकतम उत्पादन के लिए तेजी से परिणाम देने वाले रसायनों का उपयोग करने के लिए मजबूर होते हैं। पर्याप्त निगरानी और प्रवर्तन की कमी के कारण, बाजार में हानिकारक और प्रतिबंधित रसायन आसानी से मिलते हैं। किसानों को अक्सर इन रसायनों की सुरक्षा और कानूनी स्थिति के बारे में नहीं बताया जाता है। निस्संदेह आज कृषि क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है, जिसमें सरकार की नीतियों और संरचनात्मक बदलावों का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। किसानों को सुरक्षित कृषि पद्धतियों की ओर प्रोत्साहित करने के लिए नीतिगत समर्थन, वित्तीय सहायता और उचित बाजार पहुंच आवश्यक है। इसके बिना, किसानों को दोषी ठहराना समाधान की दिशा में सही कदम नहीं माना जा सकता। एक मजबूत ट्रेसिबिलिटी सिस्टम की कमी खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में मिलावट, संदूषण और अनैतिक प्रथाओं के लिए गुंजाइश बनाती है। सब्जियों और फलों में कीटनाशक अवशेषों की अधिक मात्रा, दूध उत्पादों में हानिकारक रसायनों की मौजूदगी और मसालों में मिलावट की घटनाएं स्थिति की गंभीरता को उजागर करती हैं। हालांकि इन चिंताओं को दूर करने के लिए फूड सेफ्टी ऐंड स्टैंडर्ड रूल्स, 2011 के संशोधन से ट्रेसिबिलिटी को अनिवार्य कर आपूर्ति श्रृंखला में खाद्य की उत्पत्ति और आवाजाही को ट्रैक करने की क्षमता पर जोर दिया गया है। यदि यह प्रणाली प्रभावी ढंग से लागू की जाती है, तो हर हितधारक को जवाबदेह बनाया जाएगा और यह प्रणाली मिलावट की प्रथाओं को रोकेगी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की साख बढ़ाएगी। हालांकि, संभावित लाभों के बावजूद, 2011 का संशोधन काफी हद तक लागू नहीं हो पाया है, जिसके कारणों में बुनियादी ढांचे की कमी, लॉजिस्टिक चुनौतियां और छोटे व सीमांत किसानों को डिजिटल प्रणाली में एकीकृत करने की आवश्यकता शामिल है। खाद्य सुरक्षा मानकों के बारे में चिंताओं के कारण भारतीय कृषि निर्यात को खारिज कर दिया जाता है। इससे किसानों के लिए कम कीमतें और निर्यात के अवसर खत्म हो सकते हैं। यह विश्वसनीय उत्पादक और निर्यातक के रूप में भारत की छवि को कमजोर करती है। इस समस्या के समाधान के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। किसानों को समर्थन और संसाधन प्रदान करना महत्वपूर्ण है, ताकि वे सुरक्षित और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाकर खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता को सुनिश्चित कर सकें। सरकार को बुनियादी ढांचे और क्षमता निर्माण में निवेश को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। उपभोक्ताओं को सुरक्षित भोजन की मांग करने के लिए सशक्त बनाया जाना चाहिए।

बेहद अलग तरह का होता है बोकस्नुमा बीज का पौधा, मजेदार और रोचक प्राकृतिक गुणों के लिए है प्रसिद्ध

उत्पादित फलों के विशिष्ट लालटेन आकार के कारण इसे बॉक्स फ्रूट के नाम से भी जाना जाता है। फल के भीतर असंख्य वायु कक्ष इसे अत्यधिक उछालदार और जल-प्रतिरोधी बनाते हैं। जमीन पर गिरे पके हुए फली के गुच्छे, किसी किनारे पहुंचने तक, समुद्री लहरों द्वारा सैकड़ों मीलों तक बहते हैं। फिश पॉयजन ट्री या सी पॉयजन ट्री, जिसे वनस्पति विज्ञान में बैरिंगटोनिया एशियाटिका के नाम से जाना जाता है, अपने मजेदार और रोचक प्राकृतिक गुणों के लिए प्रसिद्ध है।

यह छोटे से माध्यम आकार के होते हैं जिसकी ऊंचाई 7-25 मीटर की हो सकती है। इसकी शाखाओं के सिरों पर पत्तों के बड़े रोसेट विशेष रूप से आकर्षक होते हैं। इनकी छतरी लगभग बराबर फैली होने हेतु ये बहुत छायादार होते हैं। इसकी पत्तियाँ संकरी, तिरछी, 20-40 सी.मी लंबी और 10-20 सी.मी चौड़ी होती हैं। युवा पत्तियों पर गुलाबी नसें पत्तों के सुंदर कांस्य रंग को और सुनहरा बनाते हैं। पर्याप्त वर्षा और आर्द्रता वाले द्वीप और तटीय क्षेत्र जैसे पश्चिमी प्रशांत और हिंद महासागर के द्वीप इसके वास के लिए उपयुक्त हैं। यह कई मैंग्रोव जंगलों का भी मूल निवासी है। मुंबई की तटीय सड़कों पर इन्हें कतारों में देखा जा सकता है।उत्पादित फलों के विशिष्ट लालटेन आकार के कारण इसे बॉक्स फ्रूट के नाम से भी जाना जाता है। फल के भीतर असंख्य वायु कक्ष इसे अत्यधिक उछालदार और जल-प्रतिरोधी बनाते हैं। जमीन पर गिरे पके हुए फली के गुच्छे, किसी किनारे पहुंचने तक, समुद्री लहरों द्वारा सैकड़ों मीलों तक बहते हैं। समुद्र में बहने वाले बीजों और फलियों में से यह सबसे व्यापक हैं क्योंकि यह समुद्र की सतह पर कई सालों तक जीवित रह सकते हैं। फलियाँ भूमि पर आते हैं और उष्णकटिबंधीय वर्षा के जल से पोषित होकर ज्वालामुखी मिट्टी में आसानी से अंकुरित हो जाते हैं। इसके तारकिय आकार के फूल गुलाबी रंग के साथ सफ़ेद पुंकेसर की मनमोहक पफ बॉल जैसी दिखती हैं। पुंकेसर लाल या गुलाबी भी हो सकते हैं। यह रात में खुलते हैं और अपनी आकर्षक खुशबू से बड़े पतंगों और चमगादड़ों को आकर्षित करते हैं। अगली सुबह, आमतौर पर, फूल के पुंकेसर ज़मीन पर बिखरे हुए पाए जाते हैं। सुगंधित, फैले हुए आकर्षक फूल रात में आने वाले आगंतुक जैसे चमगादड़ एवं कीट पतंगों को आकर्षित करते हैं। यह पेड़ अन्य प्राणियों के दिखावटी संभोग नृत्य के बराबर है। 'अटैकस एटलस' के नाम से एक पतंगा इसी का एक नमूना है। अपना सीमित जीवनकाल यह अपनी साथी की तलाश में बिताता है क्योंकि ऐसी स्थिति में प्रजनन ही एकमात्र उपाय है। हालांकि, यह अनजाने में परागणकर्ता के रूप में भी काम करता है। एटलस पतंगे के 10 इंच पंखों के ऊपरी सिरे पर साँप के फन जैसे आकार बने हुए हैं। ऐसे बड़े, पारदर्शी सफ़ेद निशानों के कारण यह संभाव्य शिकारियों से बचाता है और इसलिए यह पतंगा वास्तव में बहुत प्रभावी है। ये पौधे जलाशयों के किनारे उगाई जाती हैं जिससे भूमि को अधिक निर्जलित होने में मदद मिले। अत्यधिक उछालदार होने के कारण यह मछली पकड़ने के जाल के लिए उपयुक्त हैं। इस पेड़ की लकड़ी का उपयोग भवन निर्माण तथा डोंगियां बनाने में किया जाता है। इसे भारत के कुछ हिस्सों में सजावट और छायादार उद्देश्यों के लिए सड़कों के किनारे उगाया जाता है। पौधे के विभिन्न अंगों में मौजूद विषाक्त पदार्थों की वजह से यह मछलियों के लिए जहरीला होता है। सैपोनिन ज़हर केवल मछलियों के तंत्रिका तंत्र को ही निशाना बनाता है, इसलिए मछली का मांस को खाने हेतु सुरक्षित है। स्थानीय लोग आंतों के कीड़ों से छुटकारा पाने के लिए भी फली के विषैले बीजों का उपयोग करते थे। सैपोनिन का प्रयोग दो गंभीर कीट, गोभी के कैटरपिलर या इल्ली और एडीज मच्छर (जो उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में डेंगू बुखार और मलेरिया फैलते हैं) के विरुद्ध कीटनाशक के रूप में किया जाता है। इसके फलों, पत्तियों और बीजों का आयुर्वेदिक और जड़ी-बूटियों में उपयोग किया जाता है। इस पौधे के सामयिक अनुप्रयोग के साथ स्टोनफिश (नोहू) के डंक, मोच, सिरदर्द इत्यादि का इलाज किया जाता है। बीजों का उपयोग आंतों के कीड़ों से छुटकारा पाने के लिए किया जाता है। पत्तियों को सावधानी से पकाकर घाव या पुराने संक्रमण के इलाज के लिए त्वचा पर भी लगाया जाता है। पौधों के अर्क अपने एंटीफंगल और एंटीमाइक्रोबियल गुणों के लिए जाने जाते हैं। ये प्रथाएं आज भी इस्तेमाल की जाती हैं। वैज्ञानिक इस पौधे के औषधीय गुणों के साथ प्रयोग करना जारी रखें हैं क्योंकि इसके इस्तेमाल से चूहों में ट्यूमर की वृद्धि को कम करने में मदद मिली है।

अब आसान नहीं रह गया देश पर इमरजेंसी थोपना

25 जून 1975 को जब राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद देश में आपातकाल की घोषणा की गई थी तो उस समय के अधिकांश मंत्रिमंडलीय सहयोगियों को इसकी जानकारी नहीं थी। आज फिर अघोषित इमरजेंसी का आरोप गाहे-बगाहे लगता रहता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या आज घोषित या अघोषित इमरजेंसी का लागू होना संभव है?भारत में, आपातकालीन प्रावधानों का दुरुपयोग इतिहास के विभिन्न बिंदुओं पर चिंता का विषय रहा है। विशेष रूप से 1975-1977 में घोषित आपातकाल की अवधि के दौरान देशवासियों ने असहनीय उत्पीड़न झेले। लेकिन आज की तारीख में कोई शासक या प्रधानमंत्री चाहकर भी 1975 वाला आपातकाल देश पर लागू नहीं कर सकता, क्योंकि संविधान के 44वें संशोधन के बाद आपातकाल लागू करने के प्रावधान वाला अनुच्छेद 352 तो मौजूद है मगर उसके तहत 1975 का जैसा आपातकाल लागू करना लगभग नामुमकिन ही है।अब तो अनुच्छेद 356 का बेजा इस्तेमाल भी संभव नहीं है। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट को इन परिस्थितियों की समीक्षा करने का पूरा अधिकार हो गया है। संविधान संशोधन-44 और न्यायिक समीक्षा के साथ ही जनजागरूकता के चलते अब असाधारण युद्धकालीन या संशस्त्र विद्रोह की स्थिति के अलावा आपातकाल की घोषणा नहीं की जा सकती। असाधारण आर्थिक संकट में भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन नहीं किया जा सका। यह स्थिति आपातकाल के बाद सुप्रीम कोर्ट भी स्पष्ट कर चुका है।दरअसल, सत्तर के दशक में जब देश आपातकाल की ज्यादतियों और नागरिक अधिकारों के हनन से कराह रहा था तो 1977 के आम चुनाव में उन्हीं ज्यादतियों के गर्भ से जनता पार्टी के शासन के रूप में एक ऐसे जनादेश का जन्म हुआ जिसकी पहली प्राथमिकता आपातकाल की ज्यादतियों की संभावनाओं को सदा के लिये समाप्त करने की थी।

संभव है भारत में अंतिम बार आपातकाल की घोषणा हुए 49 साल गुजर गए मगर उस दौर की ज्यादतियों की यादें आज भी राजनीतिक क्षेत्रों में गूंजती रहती हैं। खासकर प्रेस की स्वतंत्रता के हनन के लिए वह दौर एक चिरजीवी उदाहरण बन गया। 25 जून 1975 से लेकर 21मार्च 1977 तक चले इतिहास के उस काले दौर से भी पहले देश में युद्धों के दौरान आपातकाल की घोषणाएं हो चुकीं थीं जो कि वास्तव में राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अपरिहार्य थीं जिनको लेकर देशवासियों को काई ऐतराज नहीं हुआ। लेकिन जून 1975 के आपातकाल की घोषणा से सारा देश इतना विचलित हुआ कि न केवल तत्कालीन सत्ताधारी दल को अपितु तत्कालीन प्रधानमंत्री को भी जनता ने हरा कर सबक सिखा दिया।आज फिर अघोषित इमरजेंसी का आरोप गाहे-बगाहे लगता रहता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या आज घोषित

देश की महत्वाकांक्षाओं को कुचल सकता है जल संकट, प्रबंधन के अभाव में गहरा रही है समस्या

सिंचाई तथा शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू जलापूर्ति के कारण भूजल की कमी ने भारत को खतरनाक स्थिति में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के दौर में, अगर हम पानी का

विवेकपूर्ण प्रबंधन नहीं करते और यदि भूजल का अंधाधुंध दोहन बंद नहीं करते, तो कोई भी विजेता नहीं होगा।जो लोग पर्यावरण कार्यकर्ताओं को 'झोलावाला' या भारत के आर्थिक विकास को पटरी से उतारने वाला मानते हैं, और जो भारत में बढ़ते जल संकट के संबंध में दी जा रही चेतावनियों को नजर अंदाज करते हैं, उन्हें ध्यान देने की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न जल संकट, जो पानी के अंधाधुंध उपयोग के कारण और गहरा गया है, जिसके प्रति भारतीय पर्यावरणविद लगातार चेताते रहे हैं, सिर्फ पर्यावरण या स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं है, बल्कि एक गंभीर आर्थिक मुद्दा भी है, जो 1.4 अरब की आबादी वाले इस देश की महत्वाकांक्षाओं को कुचल सकता है। अभी भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, और 2024 में भी इसके तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन भारत की आकांक्षाएं कई कारकों पर निर्भर करती हैं, जिनमें पानी भी एक है।मूडीज रेटिंग की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि 'भारत में जल संकट बढ़ता जा रहा है, क्योंकि तेज आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के बीच पानी की खपत बढ़ रही है। यह सॉवरेन क्रेडिट के साथ-साथ कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों एवं इस्पात निर्माण जैसे पानी की भारी खपत वाले क्षेत्रों के लिए भी नुकसानदेह है।' 'सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग' किसी देश या संप्रभु इकाई की ऋण पाने की क्षमता का एक स्वतंत्र मूल्यांकन है, जो यह भी बताता है कि उस देश में निवेश करना कितना जोखिम भरा हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के समय में जल संकट जैसे कारक, इससे होने वाली भारी मानवीय पीड़ा के अलावा आर्थिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हैं। तीव्र औद्योगिकीकरण एवं शहरीकरण के साथ भारत का तेज आर्थिक विकास दुनिया की इस सबसे बड़ी आबादी वाले देश में पानी की उपलब्धता को कम कर रहा है।?जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति औसत वार्षिक जल उपलब्धता 2031 तक घटकर 1,367 क्यूबिक मीटर रह जाने की आशंका है, जो 2021 में पहले से ही कम 1,486 क्यूबिक मीटर थी। 1,700 क्यूबिक मीटर से कम का स्तर जल संकट को ही दर्शाता है, जिसमें पानी की कमी की सीमा 1,000 क्यूबिक मीटर है। जलवायु परिवर्तन के कारण चरम जलवायु घटनाओं, जैसे सूखा, लू, बाढ़ की आवृत्ति, गंभीरता या अवधि में वृद्धि से स्थिति और भी बदतर हो जाएगी, क्योंकि भारत पानी के लिए मानसून पर ज्यादा निर्भर है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज का कहना है कि 'जलापूर्ति में कमी से कृषि उत्पादन और औद्योगिक संचालन में बाधा उत्पन्न हो सकती है, जिसके चलते खाद्य महंगाई बढ़ेगी और इससे प्रभावित व्यवसायों एवं समुदायों की आय में कमी होगी, जिससे सामाजिक अशांति भी फैल सकती है। यह भारत के विकास को अस्थिर और आर्थिक झटकों को झेलने की भारत की क्षमता को कमजोर कर सकता है।' भारत में नदियों और भूजल के लगभग 70 प्रतिशत पानी का उपयोग कृषि कार्यों में किया जाता है। लेकिन कुछ उद्योग भी पानी की ज्यादा खपत करते हैं। मूडीज के अनुसार, औद्योगिक क्षेत्र में कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्र और स्टील निर्माता उत्पादन के लिए पानी पर बहुत ज्यादा निर्भर होते हैं। बढ़ता जल संकट उनके संचालन को बाधित कर सकता है और उनकी कमाई को कम कर सकता है, जिससे उनकी कर्ज चुकाने की क्षमता भी खत्म हो सकती है। ये चेतावनियां ऐसे समय आई हैं, जब देश के कई हिस्से पानी की भारी कमी से जूझ रहे हैं। दिल्ली और बंगलूरू जैसे महानगरों से पानी के लिए संघर्ष और सरकारी बोरवेल से पानी निकालने वाले टैंकर माफिया के बारे में जमीनी स्तर से कई खबरें आ रही हैं। भारत में भूजल रिचार्ज चालू वर्ष में 449 अरब क्यूबिक मीटर (बीएमसी) तक पहुंच गया है, जो 2004 के बाद से अधिकतम है और 2022 की तुलना में 11.5 बीएमसी ज्यादा है, जैसा कि केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा कराए गए भारत के गतिशील भूजल संसाधनों के राष्ट्रीय संकलन, 2023 में बताया गया है। लेकिन रिपोर्ट यह भी बताती है कि भूजल का दोहन कई जगहों पर चिंता का विषय बना हुआ है, जहां रिचार्ज किए जाने से ज्यादा पानी जमीन के अंदर से नलकूपों के जरिये निकाला जाता है। सिंचाई तथा शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू जलापूर्ति के कारण भूजल की कमी ने भारत को खतरनाक स्थिति में डाल दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 'देश में कुल 6,553 मूल्यांकन इकाइयों (ब्लॉक/ मंडल/ तालुका) में से, विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 736 इकाइयों (11.23 फीसदी) को 'अति-शोषित' के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो दर्शाता है कि भूजल दोहन वार्षिक भूजल रिचार्ज से अधिक है।' रिपोर्ट में बताया गया है कि, 'अति-दोहन वाली मूल्यांकन इकाइयां ज्यादातर देश के उत्तर-पश्चिमी भाग में केंद्रित हैं, जिनमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्से शामिल हैं, जहां भूजल का अंधाधुंध दोहन हो रहा है।' साथ ही, यह भी कहा गया है कि देश के कुछ क्षेत्रों में कुछ आशाजनक संकेत भी हैं -निरंतर अच्छी वर्षा और सरकारी व निजी पहलों के माध्यम से भूजल संवर्धन और संरक्षण उपायों के चलते भूजल की स्थिति में सुधार हुआ है। मूडीज की रिपोर्ट में पानी से संबंधित आधारभूत संरचनाओं में सरकारी निवेश और नवीकरणीय ऊर्जा के विकास के सरकारी प्रयासों को सकारात्मक बताया गया है। इन पहलों से पानी पर आधारित कोयला ऊर्जा पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। लेकिन सरकार और अन्य लोगों को अभी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। मिलेट्स (मोटा अनाज) जैसी कम पानी की जरूरत वाली फसलों को प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण होगा। हमें यह समझना होगा कि पेड़ों को काटने और लगभग पूरे शहर में जमीन को सीमेंट-कंकरीट से ढकने से वर्षा जल जमीन के अंदर नहीं जा पाता है और जमीन में जमा नहीं हो पाता है। जलवायु परिवर्तन के दौर में, अगर हम पानी का विवेकपूर्ण प्रबंधन नहीं करते और यदि भूजल का अंधाधुंध दोहन बंद नहीं करते, तो कोई भी विजेता नहीं होगा।

स्पोर्ट्स

पिता चलाते हैं किराने की दुकान, बेटे ने जर्मनी में जीता गोल्ड मेडल, बना नंबर-1 पावरलिफ्टर

बजरंग पूनिया को एंटी डोपिंग नियम के उल्लंघन पर किया गया सस्पेंड, नाडा ने जारी किया नोटिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (ेंै) ने भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया को एक फिर सस्पेंड कर दिया है। बजरंग पूनिया को डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन के लिए निलंबित किया गया है। साथ ही बजरंग पूनिया को नोटिस भेजा गया है और जवाब मांगा गया है। दरअसल, सोनीपत में हुए नेशनल ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट में उन्होंने अपना डोप सैंपल देने से मना कर दिया था। इसके बाद नाडा ने ये बड़ा एक्शन लिया है। इससे पहले भी उन्हें सस्पेंड किया जा चुका है। डोप सैंपल ना देने पर बजरंग ने कहा कि टेस्ट के लिए जो उन्हें किट भेजी गई है वह एक्सपायर्ड किट भेजी गई थी। इसी वजह से बजरंग पूनिया ने सैंपल देने से मना कर दिया था। इसके चलते उन्हें 5 मई को सस्पेंड कर दिया गया था। उस वक्त बजरंग पुनिया को कोई नोटिस नहीं भेजा गया था, लेकिन इस बार नाडा ने सस्पेंड करते हुए 11 जुलाई तक नोटिस का जवाब देने को कहा है। गौरतलब हो कि बजरंग पूनिया उन पहलवानों में शामिल थे, जिन्होंनें इघ् के पूर्व चीफ बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। इसमें बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने अगुआई की थी। महिला पहलवानों ने पूर्व इघ् चीफ पर यौन शोषण का आरोप लगाया था।

ओलंपिक में नए खेल कैसे किए जाते हैं शामिल क्या होती प्रक्रिया यहां जानें पूरी डिटेल्स

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फ्रांस के पेरिस में 26 जुलाई से 11 अगस्त खेलों का महाकुंभ लगने वाले वाला है। यानी, ओलंपिक खेलों का आयोजन होगा। 19 दिन तक चलने वाले इस मेगा इवेंट में 10,500 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। कुल 32 खेलों में एथलीट अपना दमखम दिखाएंगे। पेरिस के 35 वेन्यू पर इनका आयोजन किया जाएगा। पेरिस 2024 ओलंपिक और पैरालंपिक खेल फ्रांस में आयोजित होने वाला अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा। ओलंपिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024 तक होंगे। इस बार ओलंपिक में चार नए खेलों को शामिल किया गया है। हालांकि इनमें से तीन टोक्यो ओलंपिक 2021 में अपना डेब्यू कर चुके हैं। इस मेगा इंवेट में कुल 32 खेलों में 10500 से ज्यादा एथलीट अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। इस बार ओलंपिक की खास बता यह है कि इसमें चार नए खेलों को शामिल किया गया है। ये खेल हैं ब्रेकिंग, स्पोर्ट क्लाइम्बिंग, स्केटबोर्डिंग, सर्फिंग। इनमें से सर्फिंग, स्केटबोर्डिंग और स्पोर्ट्स क्लाइम्बिंग को 2021 में आयोजित टोक्यो ओलंपिक में शामिल किया गया था। ब्रेकिंग अपना ओलंपिक डेब्यू करेगा। अब जो सबसे

बड़ा सवाल है कि ओलंपिक में खेलों को कैसे शामिल किया जाता है? आइए जानते हैं खेले को कैसे ओलंपिक में शामिल किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (छ्ब्) की देखरेख में ओलंपिक का आयोजन किया जाता है। यही समित हर सीजन में खेलों कार्यक्रम को निर्धारित करती है। मेजबान शहर के चुनाव से पहले ही छ्ब् के सालाना सत्र में ही खेलों का चयन कर लिया जाता है। बाद में मेजबान देश की खेल समिति नए खेलों को जोड़ने का सुझाव देती है। इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी, ओलंपिक के लिए देश और होस्ट शहर के साथ-साथ खेलों का चुनाव करती है। इसके बाद मेजबान देश की नेशनल ओलंपिक कमेटी एक आयोजन समिति का गठन करती है। इस समिति के माध्यम से ही मेजबान देश ओलंपिक के उस सीजन में नए खेलों को शामिल करने का सुझाव देती है।

वर्ल्ड कप में खराब खेल के बाद भी भारतीय तीरंदाजी टीम को मिला ओलंपिक कोटा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीमें वर्ल्ड कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी थीं। इसी कारण उनका ओलंपिक टिकट दांव पर था। ये टीमें वर्ल्ड कप के तीसरे चरण में पदक हासिल नहीं कर पाई थीं। हालांकि, अब भारत के लिए एक अच्छी खबर आई है। भारतीय महिला और पुरुष टीम को पेरिस ओलंपिक-2024 का कोटा मिल गया है। भारत को ये कोटा वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर मिला है। सोमवार को वर्ल्ड रैंकिंग अपडेट हुई है और इसी के दम पर भारत को अगले महीने से शुरू हो रहे ओलंपिक खेलों का टिकट मिला है। भारत उन नॉन क्वालिफाइड देशों में था जिसे रैंकिंग में टॉप किया और इसी के आधार पर भारत की महिला और पुरुष टीम को पेरिस ओलंपिक-2024 कोटा मिला है। अब भारत तीरंदाज सभी पांचों इवेंट्स में अपने तीरंदाज उतार सकेगा। पुरुष महिला और मिक्स्ड टीम के अलावा व्यक्तिगत इवेंट्स में भी भारत के पुरुष और महिला तीरंदाज खेलते नजर आएंगे। भारत उन नॉन क्वालिफाइड देशों में था जिसे रैंकिंग में टॉप किया और इसी के आधार पर भारत की महिला और पुरुष टीम को ओलंपिक कोटा मिला है। अब भारत तीरंदाज सभी पांचों इवेंट्स में अपने तीरंदाज उतार सकेगा। पुरुष, महिला और मिक्स्ड टीम के अलावा व्यक्तिगत इवेंट्स में भी भारत के पुरुष और महिला तीरंदाज खेलते नजर आएंगे। इसी के साथ 40 साल के तरुणदीप राय अपने चौथे ओलंपिक खेलों में शिरकत करेंगे। उन्होंने अपना पहला ओलंपिक एथेंस में साल 2004 में खेला था। वहीं महिलाओं में भारत की दीपिका कुमारी भी चौथे ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेंगी। दीपिका साल 2012 से लगातार ओलंपिक में हिस्सा ले रही हैं। ये उनका लगातार चौथा ओलंपिक होगा। प्रवीण जाधव दूसरी बार ओलंपिक खेलों में शिरकत करेंगे। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 में शिरकत की थी। वहीं तीन खिलाड़ी इन खेलों में डेब्यू करेंगे। धीरज बोमादेवारा, भजन कौर और अंकिता भगत पहली बार खेलों के महाकुंभ में हिस्सा लेंगे। पेरिस ओलंपिक में 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें से पांच टीमें मिक्स्ड टीम इवेंट्स में हिस्सा लेंगी। ये पहली बार है जब टॉप-2 देशों को ओलंपिक कोटा मिला है। ये तीन चरण में खेले गए ओलंपिक क्वालिफायर के रिजल्ट के बाद मिला है।

अदिति अशोक और दीक्षा डागर ने किया क्वालिफाई, ओलिंपिक गोल्फ रैंकिंग का मिला फायदा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पेरिस ओलिंपिक 2024 की शुरुआत 26 जुलाई को होगी और यह 11 अगस्?त तक खेला जाएगा। इससे पहले भारतीय फैंस के लिए गोल्फ रैंकिंग (ध्ळें) में टॉप 15 खिलाडि़यों ने सीधे अपना स्?थान सुरक्षित किया है। महिला गोल्फरों के लिए क्वालिफिकेशन विंडो आज सोमवार को बंद हो गई। महिला माध्यम से क्वालिफाई किया। पेरिस ओलिंपिक 2024 अदिति अशोक और दीक्षा डागर दोनों के लिए दूसरा ओलंपिक है। टोक्यो ओलिंपिक 2020 में अदिति चौथे स्?थान पर रही थीं।

अच?छी खबर सामने आई है। भारत की महिला गोल्फर अदिति अशोक और दीक्षा डागर ने आधिकारिक तौर पर पेरिस ओलिंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। पेरिस ओलिंपिक 2024 में 60 महिला गोल्फर और 60 पुरुष गोल?फर मैदान में उतरेंगे। पेरिस ओलिंपिक 2024 की शुरुआत 26 जुलाई को होगी। भारत की महिला गोल्फर अदिति अशोक और दीक्षा डागर ने आधिकारिक तौर पर पेरिस ओलिंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। आईओसी की गाइड लाइन के मुताबिक ओलिंपिक गोल्फरों के लिए क्वालिफिकेशन विंडो आज सोमवार को बंद हो गई। आईओसी की गाइड लाइन के मुताबिक, ओलिंपिक गोल्फ रैंकिंग (ध्ळें) में टॉप 15 खिलाडि़यों ने सीधे अपना स्?थान सुरक्षित किया है। प्रति देश अधिकतम 4 एथलीटों को अनुमति दी गई। टॉप 15 के अलावा ध्ळें प्रति देश अधिकतम दो खिलाडि़यों को अनुमति देता है, बशर्ते कि देश में पहले से ही शीर्ष 15 में 2 खिलाड़ी न हों। 24वें स्थान पर रहीं अदिति अशोक और 40वें स्थान पर रहीं दीक्षा डागर ने रैंकिंग में अपने स्थान के ऐसे में वह ओलिंपिक मेडल नहीं जीत पाई थीं। दीक्षा डागर डेफलिम्पिक्स और ओलंपिक दोनों में प्रतिस्पर्धा करने वाली एकमात्र गोल्फर हैं।वह डेफलिम्पिक्स में एक सिल?वर और एक ब्रॉन्?ज मेडल जीत चुकी हैं। अब उनका टारगेट ओलिंपिक मेडल है। अदिति अशोक और दीक्षा डागर के अलावा शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर पेरिस ओलिंपिक 2024 में हिस्?सा लेंगे। शुभंकर और गगनजीत ने भी ध्ळें रैंकिंग से अपना स्थान सुरक्षित किया है। मेंस गोल?फर के लिए कट ऑफ डेट 17 जून थी।

भारतीय निशानेबाजों के साथ हो गई गड़बड़, अधिकारियों की लापरवाही ने कर दिया बड़ा खेल, खिलाडियों में नाराजगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तुगलकाबाद स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में दस मीटर एयर पिस्टल और दस मीटर एयर राइफल वाले हॉल में सेंसर व मॉनिटर में गड़बड़ी होने का मामला सामने आया। सेंसर व मॉनिटर में गड़बड़ी होने से खिलाडि़यों ने नाराजगी जाहिर की। खिलाडि़यों ने आरोप लगाया कि मशीनों में गड़बड़ी होने से उनके स्कोर काफी कम हुए। जिससे वह पदक प्राप्त करने से चूक गए कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 22 जून से शुरू हुई 23वीं प्री-यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में खिलाडि़यों के साथ गड़बड़ी हो गई। खिलाड़ी जितना स्कोर कर रहे थे मॉनिटर उतना स्कोर बता ही नहीं रहा था। निशानेबाजों ने इसकी शिकायत अधिकारियों से की थी लेकिन समय पर उचित कदम नहीं उठाया गया। इसी को लेकर निशानेबाजों में काफी नाराजगी है। वह टारगेट पर बीच में शूट भी करते थे, तो सेंसर खराब होने के कारण मॉनिटर काफी कम स्कोर दिखाता था या फिर एरर लिखा आता था। खिलाडि़यों ने कहा कि हजार से अधिक रुपये फीस देने के बाद भी सुविधाओं में कमी ही मिली। स्कोर कम होने से खिलाडि़यों का मनोबल भी टूटा। खिलाडि़यों ने कहा कि उन्होंने मशीनों में दिक्कत होने की बात वरिष्ठ अधिकारियों से भी की थी, लेकिन वे हर बात को गलत ही बताते रहे। दरअसल, शूटिंग रेंज में 22 जून से शुरू हुई 23वीं प्री-यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप का समापन मंगलवार को हुआ। इसका आयोजन यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन (यूपीएसआरए) की ओर से किया गया था। इसमें डेढ़ हजार से अधिक खिलाडि़यों ने भाग लिया था। इसमें कुछ नए खिलाड़ी थे (एनआर) और कुछ आइएसएसएफ खिलाड़ी (जो नेशनल खेल चुके होते हैं) थे। रेंज में दस मीटर एयर पिस्टल और एयर राइफल वाले खिलाडि़यों को खराब सेंसर और मॉनिटर की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लखनऊ के एक खिलाड़ी ने बताया कि वह टारगेट के बीच में शूट करते थे, तो मॉनिटर चार या पांच अंक दिखाता था। कभी-कभी तो एरर ही लिखा मिलता था। इसी कड़ी में एक अन्य बालिका वर्ग की खिलाड़ी ने बताया कि स्कोर कम होने से मनोबल टूटता है। खिलाड़ी को लगता है कि कमी उसमें है, जबकि दिक्कत मशीन में थी। कुछ खिलाडि़यों ने कहा कि इसी रेंज पर पांच जुलाई से राज्य स्तरीय शूटिंग चैंपियनशिप होने जा रही है। यदि दिक्कतों का समाधान नहीं किया गया तो, नेशनल में पहुंचना मुश्किल होगा। इसे लेकर यूपीएसआरए के महासचिव जीएस सिंह ने कहा,ठ चैंपियनशिप में जिस भी खिलाड़ी ने मुझसे सेंसर या मॉनिटर में फॉल्ट होने की शिकायत की, मैंने तुरंत उसकी जांच कराकर उनको दोबारा शूट करने का मौका दिलाया। यह एशिया की सबसे बेहतर शूटिंग रेंज है। यहां पर पेरिस ओलंपिक में जाने वाले खिलाड़ी भी अभ्यास करते हैं। हमारा प्रयास रहता है कि खिलाडि़यों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

राशिफल

मेष-:स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है

वृष-:आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। आज आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आज आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-:आज का दिन भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-:जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. आज अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें ̇ से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-:आज आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-:आज आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे. आज आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-:आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, आज वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-:आज भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से आज विचलित हो सकता है।

मकर-:खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अड़ियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-:आज आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

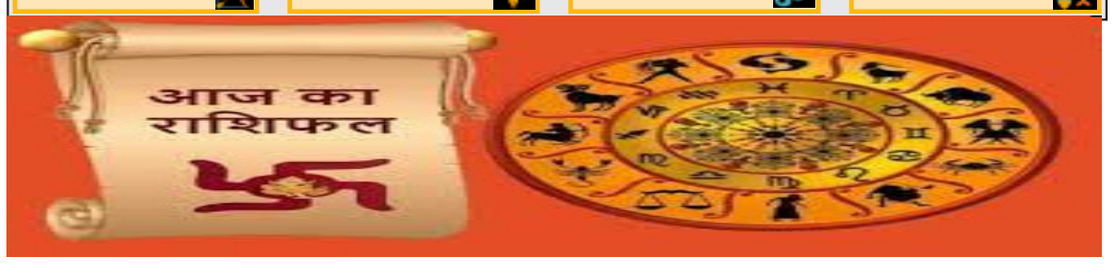

मीन-:आज आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

पिता चलाते हैं किराने की दुकान, बेटे ने जर्मनी में जीता गोल्ड मेडल, बना नंबर-1 पावरलिफ्टर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राजधानी में मजनू के टीले इलाके को ड्रग्स हब के रूप में जाना जाता है। यहां के अधिकतर युवा नशे की लत में लिप्त रहते हैं। लेकिन यहां एक ऐसा भी लड़का रहता है, जो अपने जज्बे, जुनून और कामयाबी की जिद के दम पर विश्वभर में भारत का नाम रोशन कर रहा है। हाल ही में जर्मनी के श्वेटि्जंगन में आयोजित आइपीएल यूरोपियन पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में रितेश डोगरा ने स्वर्णिम प्रदर्शन कर श्रेष्ठ लिफ्टर का खिताब अपने नाम किया। भारतीय पावरलिफ्टरों ने जर्मनी में शानदार प्रदर्शन किया है और पदक अपने नाम किए हैं। भारत के तीन पावरलिफ्टरों ने जर्मनी में शानदार खेल दिखाते हुए अपने कोच का नाम रोशन किया है। दो गोल्ड मेडल जीतने वाले रितेश डोगरा के पिता दिल्ली के मजनू के टिला पर किराने की दुकान चलाते हैं। रितेश के कोच ने उनकी सफलता पर खुशी जाहिर की है। 87 किलो भारवर्ग फुल पावरलिफि्टंग में रितेश ने कुल 760 किलो भार उठाते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी स्पर्धा में अमेरिका के जस्टिन 740 किलो तथा जर्मनी के रवाड 737.5 किलो भार उठाकर क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। बता दें कि चैंपियनशिप में भारत, जर्मनी, फ्रांस, इटली, अमेरिका, इंग्लैंड, आयरलैंड, व ग्रीस से 121 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। रितेश अपने पिता हेमराज डोगरा और मां संतोष डोगरा के साथ मजनू का टीला कालोनी के एच-ब्लाक में रहते हैं। उनके पिता किराने की दुकान चलाते हैं और मां गृहिणी हैं। इसी क्रम में गांव ताजपुर निवासी सुरेंद्र सिंह ने फुल पावरलिफि्टंग रा मास्टर में कुल तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीता। सुरेंद्र ने 665 किलो भार उठाया। जर्मनी के मिशेल 650 किलो दूसरे और जर्मनी के ही ल्यूकास 645 किलो भार उठाकर तीसरे स्थान पर रहे। वहीं मुखर्जी नगर निवासी फुल पावरलिफि्टंग ओपन रा में प्रभजीत बख्शी ने दो स्वर्ण और एक रजत जीता। प्रभजीत ने कुल 690 किलो भार उठाया। दूसरे स्थान पर सुरेंद्र सिंह ने 665 किलो भार उठाया तथा तीसरे स्थान पर ग्रीस के चारिडिमास ने कुल 655 किलो भार उठाया। बता दें कि यह तीनों ही शिष्य द्रोणाचार्य अवार्डी भूपेंद्र धवन के शिष्य हैं। द्रोणाचार्य अवार्डी और तीनों के कोच भूपेंद्र धवन ने कहा, ठरितेश डोगरा, सुरेंद्र सिंह, प्रभजीत बख्शी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राजधानी व देश का नाम रोशन किया है। सुरेंद्र दो बार के मिस्टर इंडिया का खिताब भी जीत चुके हैं। खेल के इस क्षेत्र में उदीयमान भारतीय खिलाड़ियों से बहुत आशाएं हैं।

DURGAWATI INTERNATIONAL
School & College Meja, Prayagraj
(AFFILIATED TO NEW DELHI I.C.S.E. (AFFILIATION No. UP 481)
Good News Good News

THE STUDENTS SCORING ABOVE 95% IN THE ENTRANCE EXAM ARE AWARDED WITH THE CONCESSION IN THE ENTIRE TUITION FEES OF THE WHOLE YEAR 2024-25 HURRY UP!!
HOSTEL FACILITY
★ AC hostel facilities are available for. the boys from class 3rd onwards.
★ Quality food
★ Personal care
★ 24/7 power backup
★ Special tuition classes for hostelers
★ Free health checkup per month.
★ Infirmary faciliti is also available
★ Well equipped laboratories and digital Library
पहले 50 छात्रों के प्रवेश शुल्क पर 100% की छूट
Admissions OPEN
PG to IX, XI
(AFFILIATED TO NEW DELHI ICSE (AFFILIATION No. UP 481)
SCHOOL FACILITIES
★ Affordable fee & High-tech infrastructure.
★ Spacious and colorful classrooms.
★ Trained teachers from Kerala & Prayagraj.
★ Free personality development.
★ English spoken classes for each student.
★ RO water and CCTV facilities.
★ Pick and drop facilities with full safety.
★ Trained PE Teacher along with
★ Spacious playground
Manager
Dr. (Smt.) Swatantra Mishra
(Psychologist)
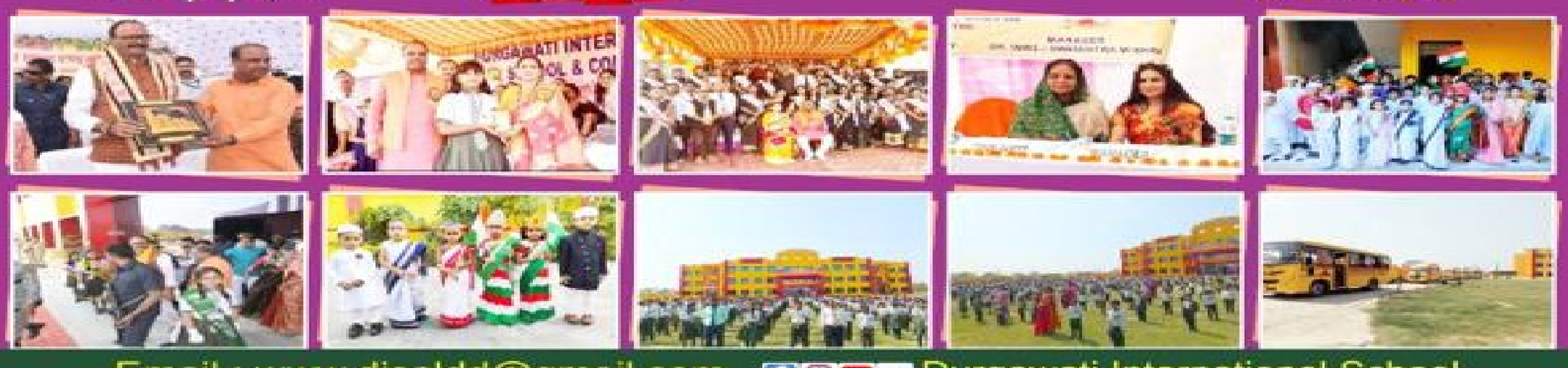
Email : www.disaldd@gmail.com Durgawati International School
Call For Any Enquiry 7505561664
Contact No.: 7081152877, 7652002511, 9415017879

वाराणसी में फूंका गया एआईएमआईएम चीफ ओवैसी का पोस्टर, मुर्दाबाद के लगे नारे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। फलिस्तीन के लिए ओवैसी का प्रेम देखकर युवाओं में नाराजगी है।लोकसभा में संसद सदस्य के रूप में शपथ लेते हुए असदुद्दीन ओवैसी का यह कृत्य भारत के संवधिान के अनुच्छेद 102 के खंड एक के खंड (घ) का स्पष्ट उल्लंघन है। इस अनुच्छेद में यह प्रावधान है कि यदि कोई संसद सदस्य किसी विदेशी राज्य के प्रति दृढ़ता निष्ठा प्रदर्शित करता है, अनुपालना स्वीकृत करता है तो यह उसके संसद सदस्यता को निरहरित करता है और यह कृत्य संसद सदस्य की सदस्यता समाप्त करने का आधार भी है। ऐसी

स्थिति में भारत के संविधान के अनुच्छेद 103 के खंड एक व खंड 2 में यह स्पष्ट प्रावधान दिया गया है कि यदि कोई संसद सदस्य भारत के संविधान के अनुच्छेद 102 के खंड एक (घ) का उल्लंघन करता है तो उसकी संसद सदस्यता अनुच्छेद 103 के खंड एक व दो में वर्णित प्रावधानों के अनुरूप भारत के महामहिम राष्ट्रपति को यह अधिकार होगा कि उसकी सदस्यता रद्द कर सकता है। छात्रों ने कहा कि अनुच्छेद के अनुसार चुनाव आयोग से रिपोर्ट मंगाना हो तो उक्त प्रकरण के संबंध में तो वह चुनाव आयोग से रिपोर्ट प्राप्त करके असदुद्दीन ओवैसी की संसद सदस्यता समाप्त कर सकती है। ऐसी स्थिति में असदुद्दीन ओवैसी की लोकसभा की सदस्यता भारत के संविधान के सम्मान में व अनुपालन में अनुच्छेद 103 के खंड एक व दो में विहित प्रावधानों के अनुरूप उनकी लोकसभा सदस्य का समाप्त किया जाना आवश्यक है। अपनी इन्हीं मांगों को लेकर काशी के नागरिकों, छात्रों, नौजवानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर जरिए पुलिस कमिश्नर/ सहायक पुलिस आयुक्त कैंट विद्युत सक्सेना के जरिए महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित पत्रक प्रेषित किया इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में विवेकानंद सिंह, अवनीश राय, प्रतीक उपाध्याय, प्रतीक उपाध्याय संगम, प्रवीण राय, शोभित, विकास कुमार, रितेश सिंह, कौशल यादव, विशाल, रतनदीप सिंह, विकास तिवारी इत्यादि लोग सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहे। वाराणसी के जिला मुख्यालय पर शनिवार को एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ विभिन्न संगठनो के युवाओं नाराजगी जताई। साथ ही मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। संसद में शपथ के दौरान ओवैसी ने जय फलिस्तीन का नारा दिया था। इसी को लेकर युवाओं में नाराजगी है।

बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़, वांछित सहित तीन गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

आजमगढ़। फूलपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले युवक ने तहरीर दी थी कि बीते 28 जून को उसके पिता से बदमाशों ने एक कार, दो मोबाइल और नगद रुपये लूट लिए थे। घटना के एक दिन बाद यानी शनिवार को पुलिस ने मुठभेड़ की कार्रवाई करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। आजमगढ़ के देवगांव कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे के अंदर लूट की घटना का पर्दाफाश करते हुए तीन लोगों बदमाशों को गिरफ्तार किया है। देवगांव पुलिस की शनिवार की भोर में बैरीडीह गांव के पास पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें जिला बदर और लूट में वांछित अभियुक्त पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बदमाशों के पास से लूटी गई एक स्विफ्ट कार, नकदी, मोबाइल के साथ असलहा व कारतूस बरामद किया। वाराणसी जनपद के फूलपुर थाना क्षेत्र में सर्वीपुर ताड़ी गांव निवासी आजाद कुमार ने देवगांव थाने में तहरीर दी कि उसके पिता ओमप्रकाश पटेल ओला कंपनी की गाड़ी चलाते हैं। 28 जून को भोर में आजाद कुमार

पटेल पुत्र ओमप्रकाश पटेल निवासी सर्वीपुर ताड़ी थाना फूलपुर जनपद वाराणसी ने थाना देवगांव पर लिखित तहरीर दिया कि वादी मुकदमा के पिता ओला कम्पनी की गाड़ी को चलाते हैं। 28 जून की भोर में तीन लड़कों द्वारा मुगल सराय स्टेशन से गौरा बादशाहपुर तक छोड़ने की बात कहकर गाड़ी तय की। रास्ते में कबीरा पुलिया थाना क्षेत्र देवगांव के पास पहुंचने पर अचानक मारपीट कर ओला स्विफ्ट कार, 02 मोबाइल व 1000 रुपये छीन लिए तथा वादी मुकदमा के पिता का हाथ-पैर बांधकर ओला कार में घुमाये तथा सुनसान स्थान देखकर कबीरा पुलिया के पास छोड़कर ओला स्विफ्ट कार लेकर भाग गए। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना प्रभारी विनय कुमार मिश्रा कर रहे हैं। शनिवार की भोर में मुखबिर से सूचना मिली कि ओला कार को लूटने वाले बदमाश लहुंवा कला लालगंज की तरफ आने वाले हैं। इस सूचना पर देवगांव प्रभारी विनय कुमार मिश्र निरीक्षक रूद्रभान पांडेय को सूचना देते हुए हमराहियों के साथ बैरीडीह पहुंचे और घेराबंदी कर दिया। निरीक्षक रूद्रभान पांडेय जैसे ही हमराहियों के साथ महुआं जाने वाले रास्ते के पास पहुंचे। एक कार काफी तेज गति से आती हुई दिखाई दी, कार चालक प्रभारी निरीक्षक के सामने से तथा पीछे से द्वितीय मोबाइल से अपने को घिरा देखकर गाड़ी न रोककर बाएं तरफ जाने वाले कच्चे रास्ते पर तेजी से कार मोड़ कर भागने का प्रयास किया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा0लि0 1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज (उ.प्र.) 211008 से मुद्रित एवं सी- आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसा नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।